www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
8 सितम्बर 2026
वर्ष: 49
अंक: 124 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

कश्मीर के बाद अब उत्तराखंड में बर्फबारी

बिहार के 12 जिलों में बाढ़, 23 लाख लोग प्रभावित; यूपी के बरेली में फायर स्टेशन में पानी भरा

नई दिल्ली/लखनऊ/पटना/श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी के बाद अब उत्तराखंड के पिथौरागढ़ की पंचाचूली, हरदेवल, नंदा देवी और नंदा कोट के साथ चमोली में बद्रीनाथ-हेमकुंड की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी हुई है। बारिश और बर्फबारी के बाद ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड बढ़ गई है।

बिहार में गंगा, कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और बागमती नदियों के उफान से बाढ़ की स्थिति बन गई है। राज्य के 12 जिलों में 22.42 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। भागलपुर में रिंग बांध ओवरफ्लो होने से सुल्तानगंज के करीब 4 हजार घर पानी में डूब गए। वहीं, यूपी में मानसूनी बारिश का दौर लगातार जारी है। बरेली में रविवार दोपहर से रुक-रुककर हो रही बारिश के चलते फायर स्टेशन में 3 फीट तक पानी भर गया। घरों के किचन और बेडरूम तक घुटनों तक पानी पहुंच गया।

उत्तराखंड की सीमा से लगे नेपाल में नदी पर बनी कृत्रिम झील

- *बारिश-लैंडस्लाइड हुआ तो बढ़ेगी मुश्किल*

नेपाल में किया गया अलर्ट

सबसे बड़ी आशंका इसी बात की है कि भूस्खलन से बना प्राकृतिक बांध अचानक टूटता है तो जमा पानी तेज बहाव के साथ नीचे आ सकता है और चमेलिया के रास्ते काली नदी में पहुंचकर भारत के सीमावर्ती इलाकों में बाढ़ का खतरा पैदा कर सकता है।

नईदिल्ली/पिथौरागढ़ (एजेंसी)। उत्तराखंड की सीमा से लगे नेपाल के दार्चुला जिले के अपिहिमाल क्षेत्र के भट्टाड़ में भारी भूस्खलन से चमेलिया नदी का प्रवाह बाधित हो गया है। बताया जा रहा है कि चमेलिया नदी का प्रवाह बाधित होने के कारण नेपाल में कृत्रिम झील बनने लगी है। लगातार बारिश के बीच मलबा बढ़ने से नदी पूरी तरह अवरुद्ध होने की आशंका जताई जा रही है।

भारतीय क्षेत्र में भी निगरानी बढ़ाई गई

चमेलिया नदी भारत के गेठीगाड़ा क्षेत्र के पास काली नदी में मिलती है, जिसके बाद नदी झूलाघाट और पंचेश्वर की ओर बहती है। खतरे को देखते हुए नेपाल प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने को कहा है. भारतीय क्षेत्र में भी नदी के जलस्तर पर निगरानी बढ़ाई गई है।

- **झील का जलस्तर थोड़ा सामान्य हुआ-** फिलहाल जो जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार शुक्रवार को नेपाल के सीमांत दार्चुला जिले में अपि हिमाल गांव पालिका के वार्ड नंबर-1 भट्टाड़ में भारी बारिश के कारण हुए भीषण भूस्खलन हुआ है। पहाड़ी दरकने से चमेलिया नदी का बहाव रुक गया और वहां एक बड़ी झील बन गई। हालांकि दो दिन बाद झील का जलस्तर कम हो जाने से स्थिति थोड़ी सामान्य हो गई। अभी भी क्षेत्र में भूस्खलन होने से खतरा नहीं टला है।

संक्षिप्त

36 हजार फीट पर प्लेन का ऑयल प्रेशर कम हुआ

अबू धाबी जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट कोच्चि लौटी, एक इंजन के सहारे इमरजेंसी लैंडिंग

नईदिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में तकनीकी खराबी के कारण एक इंजन के सहारे कोच्चि लौटना पड़ा और यहां इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। मीडिया सूत्रों के हवाले से बताया कि यह बोइंग 737 विमान अबू धाबी जा रहा था। करीब 50 मिनट की उड़ान के बाद पायलट ने इसके एक इंजन में ऑयल प्रेशर कम पाया। तब यह 36 हजार फीट की ऊंचाई पर था।

इंजन में ऑयल खतरनाक स्तर तक कम हो गया, तब दोनों पायलट ने इसे बंद करने का फैसला किया। वे एक इंजन सहारे ही कोच्चि लौटे ।चूंकि विमान ने करीब दो घंटे की ही उड़ान भरी थी इसलिए इसमें फ्यूल ज्यादा था। ऐसे में यह ओवरवेट लैंडिंग थी, जो और भी जोखिम भरी होती है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा- रिपोर्ट्स सही नहीं

एअर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा, 'एक हफ्ते पहले हमारी कोच्चि-अबू धाबी की एक फ्लाइट ने तय सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत वापस कोच्चि लौटने का फैसला किया था। इस घटना को सही समय और पूरे संदर्भ के बिना पेश करने वाली रिपोर्ट्स यात्रियों और आम लोगों के बीच अनावश्यक चिंता पैदा कर सकती हैं।'

गुवाहाटी में पति ने पत्नी का सिर काटकर फ्रिज में रखा

दोनों हाथों की उंगलियां भी काटी

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के गुवाहाटी से एक युवक ने शादी के कुछ ही महीनों बाद पत्नी की क्रूर हत्या कर दी। आरोपी पति ने पत्नी का सिर धड़ से अलग कर दिया और उसके दोनों हाथों की उंगलियां भी काट दीं। हत्या के बाद पति फरार हो गया ।मामले का खुलासा रविवार को तब हुआ जब, पड़ोसियों को घर से तेज बदबू आने लगी। शिकायत के बाद पुलिस अपार्टमेंट में पहुंची, पुलिस ने जब फ्लैट का

का ताला तोड़ा, तो कमरे में महिला का धड़ मिला। कमरे की तलाशी लेने पर फ्रिज में सिर मिला। महिला के दोनों हाथों की उंगलियां भी आधी कटी हुई थीं और शरीर सड़ना शुरू हो गया था। पुलिस ने आरोपी पति को अरेस्ट कर लिया है।

किसी बात को लेकर हुई थी दोनों की बहस

महिला की पहचान 25 साल की रिया तालुकदार के रूप में हुई है। रिया की शादी करीब 6 महीने पहले ही गुवाहाटी के हाटीगांव इलाके में रहने वाले रामानुजन गोस्वामी से हुई थी। दोनों फ्लैट में किराए से रहते थे। रिया की हत्या के बाद से ही रामानुजन फरार था, जिसे पुलिस ने सोमवार सुबह अरेस्ट कर लिया।

स्वच्छता वायु सर्वेक्षण 2026 में लखनऊ ने इंदौर को पछाड़ा

टॉप 5 में मप्र का जलवा; 21वें स्थान पर दिल्ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इस बार के नतीजों में यूपी की राजधानी लखनऊ ने बाजी मार ली है। वहीं, एमपी के इंदौर ने दूसरा और जबलपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इस श्रेणी में देश की राजधानी दिल्ली 172 अंकों के साथ 21वें स्थान पर और मुंबई 160.8 अंकों के साथ 28वें स्थान पर रही। वहीं छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर ने 189 अंकों के साथ छठा स्थान प्राप्त किया है। दुर्ग-भिलाई 175.3 अंकों के साथ 17वें स्थान पर रहा।

10 लाख से अधिक आबादी वाले टॉप-5 शहर- केटेगरी-फर्स्ट- जिसमें 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहर शामिल हैं, उसमें यूपी की राजधानी लखनऊ को पहला स्थान, एमपी के इंदौर को दूसरा स्थान, जबलपुर को तीसरा, भोपाल और आगरा को संयुक्त रूप से चौथा और गुजरात के सूरत को पांचवा स्थान मिला है।

कैटेगरी-सेकेण्ड- 3 से 10 लाख तक की आबादी वाले शहर

केटेगरी- सेकेण्ड- जिसमें 3 से 10 लाख की आबादी वाले शहर हैं, में ओडिशा के राउरकेला ने 198.5 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। दूसरे स्थान पर फिरोजाबाद और गुंटूर 195 अंकों के साथ रहे। इस केटेगरी में छत्तीसगढ़ के कोरबा ने 186.5 अंकों के साथ 10वां स्थान हासिल किया है। मध्य प्रदेश से ग्वालियर 157 अंकों के साथ 30वें, सागर 178 अंकों के साथ 18वें और उज्जैन 181.5 अंकों के साथ 13वें स्थान पर रहा।

सरकार ने कहा शुद्धिकरण मामले की होगी निष्पक्ष जांच

सुरक्षित रखेंगे इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, हाईकोर्ट ने निस्तारित की याचिका

नैनीताल (एजेंसी)। उत्तराखंड हाईकोर्ट में हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा के बाद सभा स्थल का 'शुद्धिकरण' के चर्चित मामले में आज सुनवाई हुई। मामले में आज हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि

मामले में 2 एफआईआर दर्ज हुई हैं। इनमें एक हल्द्वानी में और दूसरी मीडिया में छपी खबर के आधार पर जीरो एफ आई आर बेंगलुरु में दर्ज हुई है।

शुद्धिकरण मामले की याचिका हाईकोर्ट ने निस्तारित की: कोर्ट को बताया गया कि बेंगलुरू में दर्ज हुई एफआईआर जांच के लिए हल्द्वानी में ट्रांसफर कि जानी है। सरकार ने कोर्ट को आश्वस्त किया है कि पुलिस मामले में निष्पक्ष जांच करेगी। सरकार ने सीसीटीवी फुटेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को भी सुरक्षित रखने की बात कही है।

मध्यप्रदेश में जहरीली शराब से

अब तक पिता-बेटा समेत 22 मौतें !

112 की हालत बिगड़ी, सागर-भोपाल में भर्ती; शराब ठेकेदार समेत 30 पर केस, 10 गिरफ्तार

भोपाल/सागर (एजेंसी)। सागर में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या 22 हो गई है। मरने वालों में पिता-पुत्र भी शामिल हैं। 112 लोग ऐसे हैं, जिनकी जहरीली शराब पीने से हालत बिगड़ी है। उन्हें सागर और भोपाल के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मामले में शराब बेचने वाले ठेकेदार समेत 30 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से 10 को अरेस्ट कर लिया गया है। सोमवार सुबह महेश रावत (55), श्याम बाई अहिरवार (50) और कृष्ण कुमार लोधी ने दम तोड़ा। इससे पहले एयरलिफ्ट कर भोपाल लाए गए राम प्रसाद लोधी की रविवार देर रात को मौत हुई थी। उनके पिता गोविंद लोधी ने भी रविवार को दम तोड़ दिया था। रामप्रसाद का छोटा भाई भूरे लोधी सागर में भर्ती है। वहीं, दोपहर में गूगरा खुर्द निवासी भगवान सिंह (35), खटोरा निवासी गोपाल आदिवासी (40) और देश कुमार लोधी, निवासी मुड़ना पैरा की भी मौत हुई है।

- **परिजन बोले- शराब पीने के बाद बिगड़ी तबीयत-** जहरीली शराब से मरने वाले महेश के भतीजे श्रवण कुमार रावत ने बताया कि चाचा ने कल शाम को शराब पी थी, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ी थी। वहीं, श्याम बाई के बेटे विट्ठल अहिरवार ने कहा- हम मामा के घर गमी में गए थे। मां घर में अकेली थी। उन्होंने गांव में किसी से मंगवाकर शराब पी ली। देर रात उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। सुबह उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान मौत हो गई।
- **एक शख्स ने पूछा था- जहरीली शराब तो नहीं है-** बंडा थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार, फरियादी अनूप सिंह लोधी ने बताया कि उसके गांव में करीब 8 लोग अवैध रूप से शराब बेचते हैं। 4 सितंबर को वह अपने भतीजे राजेंद्र लोधी के साथ जुझार लोधी की दुकान पर गया था। जुझार ने बताया कि बरेठी के लाइसेंसी शराब ठेकेदार यशवंत सिंह, मनीष लोधी और बंडा निवासी आशीष साहू ने आकाश राय, रहीम खान, सत्यम, आशाराम, अरविंद, रविंद्र, रोहित, अनिकेत गंधर्व और माखन के माध्यम से अपनी गाड़ी से नया सस्ता ब्रांड भेजा है। उसने कहा कि यह शराब दुकान से 20 रुपए सस्ती मिलेगी। अनूप ने कहा कि उसे आज शराब नहीं पीनी है। राजेंद्र ने पूछा कि नकली जहरीली शराब तो नहीं है।
- **ग्रामीण बोले- ततरवारा गांव से होती थी शराब की सप्लाई-** नाम न छापने की शर्त पर ग्रामीणों ने बताया कि नौराज ग्राम पंचायत के ततरवारा गांव में लंबे समय से अवैध शराब बनाई जा रही है।

दावा-ठाकरे गुट के 14 विधायक एकनाथ के संपर्क में

शिंदे के एमएलए बोले-जल्द होगा ऑपरेशन टाइगर-4, उद्धव के 6 सांसद शिंदे गुट में शामिल हुए थे

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना शिंदे गुट के विधायक मुरजी पटेल ने दावा किया है कि आने वाले दिनों में राज्य में ऑपरेशन टाइगर-4 होने वाला है। पटेल का कहना है कि शिवसेना ठाकरे गुट के करीब 14 विधायक एकनाथ शिंदे के संपर्क में हैं।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना के लोकसभा में कुल 9 सांसदों में से 6 सांसद पार्टी से अलग होकर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए थे। लोकसभा में अब शिंदे के सांसदों की संख्या 7 से बढ़कर 13 हो गई है। हालांकि, 14 विधायकों वाली बात को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

पटेल बोले- विधायक और नगरसेवक शिंदे की शिवसेना में शामिल हो सकते हैं- मुरजी पटेल

के दावे के मुताबिक, ठाकरे गुट के सांसदों के बाद अब विधायक और फिर नगरसेवक भी शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो सकते हैं। इस पूरी चर्चा में 14 का आंकड़ा बेहद अहम माना जा रहा है। विधानसभा में ठाकरे गुट के पास 20 विधायक हैं। कानून के मुताबिक, अगर इनमें से दो-तिहाई विधायक एक साथ दलबदल करते हैं, तो दलबदल विरोधी कानून के तहत अलग कानूनी और राजनीतिक स्थिति बन सकती है।

सूत्रों के हवाले से यह भी दावा किया जा रहा है कि कुछ विधायकों ने किसी अनजान जगह पर एकनाथ शिंदे से मुलाकात की है। इसके अलावा, महाविकास अघाड़ी की हालिया बैठक में 60 में से 37 विधायकों की अनुपस्थिति ने भी राजनीतिक अटकलों को बढ़ा दिया।

डिप्टी सीएम शिंदे बोले

अब हमने छक्का लगाया

उद्धव ठाकरे की शिवसेना के सभी 6 सांसदों ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के साथ मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पार्टी से अलग होने का ऐलान किया था। डिप्टी सीएम ने कहा था, 'जब 2022 में हमने पार्टी और धनुष-बाण बचाने के लिए विद्रोह किया था, तब 40 विधायक थे और अब हमने छक्का लगाया है। 'उन्होंने कहा, ' हमारी लड़ाई बालासाहेब के विचारों को बचाने के लिए है, इसीलिए आज ये 6 सांसद बालासाहेब की असली शिवसेना में शामिल हुए।'

अचानक हाईवे पर गिरा मलबा, एक किशोर समेत तीन दबे

देवप्रयाग : ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर सोमवार तड़के नायरा पेट्रोल पंप के समीप पहाड़ी से अचानक मलबा और पत्थर गिरने आ गिरे और एक किशोर समेत दो युवक दब गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही चौकी बचेलीखाल पुलिस तत्काल आपदा राहत उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची और घायलों को मलबे से बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया। जहां से उन्हें रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार तीनों युवक स्कूटी से कल्पेश्वर महादेव के दर्शन कर देहरादून लौट रहे थे कि अचानक नायरा पेट्रोल पंप के पास पहाड़ी से मलबा आ गरा और गुरप्रीत सिंह (18) पुत्र सतनाम सिंह, नितिन (22) पुत्र राधेश्याम और कुणाल (14) पुत्र मुकेश कुमार सभी निवासी प्रेमनगर, देहरादून मलबे के नीचे दब गए। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को मलबे से बाहर निकाला गया और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवप्रयाग पहुंचाया गया। प्राथमिक चिकित्सा के बाद उनकी स्थिति को देखते हुए बेस अस्पताल श्रीनगर रेफर कर दिया गया। घायलों में कुणाल की हालत बेहद गंभीर बनी है। कोतवाल प्रशांत बहुगुणा ने बताया कि पीड़ितों के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है। पुलिस प्रशासन ने मार्ग से मलबा हटाकर यातायात सुचारु कर दिया गया हैं। (एजेंसी)

वाहनों की टक्कर में दो छात्र गंभीर घायल

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर बाइक और छोटा माल वाहक वाहन (छोटा हाथी) की टक्कर में पालिटेक्निक के दो छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। एक को एम्स ऋषिकेश एयर लिफ्ट किया गया, जबकि दूसरे को मौसम खराब होने से देर शाम तक उसे एयर लिफ्ट नहीं किया जा सका। घायल छात्र का उपचार बेस अस्पताल में चल रहा है। (एजेंसी)

संपादकीय

समझौते कृषक हितों के खिलाफ

कहना कठिन है कि किसानों का संघर्ष कितना प्रभावी होगा। लेकिन यह साफ है कि किसान– मजदूर वर्गों में वर्तमान आर्थिक नीतियों के खिलाफ लामबंद होने की जरूरत का अहसास लगातार गहरा रहा है। किसान संगठन फिर आंदोलन की राह पर हैं। गुजरे दस अगस्त को उन्होंने 'जेल भरोइ मुहिम चलाई। अब वे सांसद और विधायकों सहित सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपना मांग–पत्र सौंप रहे हैं। उनकी मांगों और घोषित रणनीति पर गौर करें, तो संकेत मिलता है कि अकेले लड़ाई लड़ने की अपर्याप्तता का उन्हें अहसास हुआ है। इसलिए उन्होंने अपने संघर्ष में खेतिहर और शहरी मजदूरों को शामिल करने के साथ–साथ अपने मांग–पत्र में संघीय व्यवस्था तथा अर्थव्यवस्था की आम दिशा से जुड़े मुद्दों को भी शामिल किया है। उनका आरोप है कि केंद्र 'कॉरपोरेट केंद्रितइ नीतियों को आगे बढ़ा रहा, जिसकी मार किसान, मजदूर एवं आम मध्यम वर्ग पर पड़ी है। इसलिए अपने को कृषि क्षेत्र तक सीमित रखने के बजाय संयुक्त किसान मोर्चा ने अपने मांग–पत्र को आजीविका, रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा के बड़े दायरे से जोड़ा है। उनकी एक प्रमुख मांग है कि कर राजस्व का राज्यों को दिए जाने वाले हिस्से की मात्रा 31 से बढ़ा कर 50 फीसदी की जाए। मोर्चा का तर्क है कि कृषि संकट हल करने, कृषि आधारित औद्योगीकरण और जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए राज्यों को अधिक वित्तीय स्वायत्तता मिलना अनिवार्य है। मांग पत्र में भारत–अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते के लिए जारी वार्ता पर विरोध जताया गया है। साथ ही हाल में हुए तमाम मुक्त व्यापार समझौतों को रद्द करने की मांग की गई है। किसान संगठनों का दावा है कि ये सारे समझौते कृषक हितों के खिलाफ हैं। स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के मुताबिक न्यूनतम समर्थन मूल्य, व्यापक कृषि कर्ज माफी, 200 दिन काम की गारंटी और 700 रुपये प्रति दिन मजदूरी के प्रावधान के साथ मनरेगा की बहाली, चार श्रम संहिताओं को रद्द करने, भूमि अधिकारों के संरक्षण, और बिजली निजीकरण एवं बीज विधेयकों की वापसी की मांग भी दोहराई गई है। फिलहाल, कहना कठिन है कि इस बार अधिक बड़ा मोर्चा बनाकर किसानों ने संघर्ष का जो एलान किया है, वह असल में कितना प्रभावी होगा। लेकिन यह जरूर है कि किसान– मजदूर वर्गों में आर्थिक नीतियों की वर्तमान दिशा के खिलाफ लामबंद होने की जरूरत का अहसास लगातार गहराता जा रहा है।

चिंतन-मनन

शांति के लिए संतुलन जरूरी है

अति हमेशा नुकसान दायक है। यह नियम अच्छी और बुरी दोनों आदतों पर लागू होता है। ऋषि-मुनियों ने अति को वर्जित ही बताया है। बुद्ध ने एक शब्द दिया था मंझम मग्न यानी मध्यम मार्ग। जीवन का यह संतुलन उन्हें एक दिन वह सब दिला गया जिसके लिए उनकी पूरी तपस्या थी। अपनी बोध प्राप्त की अवस्था में उनसे एक प्रश्न पूछा गया था जिसका उन्होंने बड़ा सुंदर उत्तर दिया था। किसी का प्रश्र था उनसे अब आपको क्या मिला? क्या वह प्राप्त हो गया जिसके लिए आपके सारे प्रयास थे? बुद्ध ने कहा- नया कुछ नहीं मिला, जो कुछ मेरे पास पहले से था, पाया ही हुआ था, पूर्व उपलब्ध था, उसका ज्ञान हो गया, पता चल गया उसका। वह दौलत अपने ही भीतर थी हम बाहर ढूंढ रहे थे।

जिसके कारण बाहर निकला, वो तो मेरे भीतर निकला। हम दो भूलें कर जाते हैं या तो बिल्कुल बाहर संसार पर टिक जाते हैं या एकदम भीतर उतर जाते हैं। ये अतियां हमारे लिए हमारे अध्यात्म की दुश्मन बन जाती हैं। आचार्य श्रीराम शर्मा संसार में संतुलन से चलने के लिए एक अच्छा उदाहरण बताया करते थे। दुनिया में ऐसे चलो जैसे पानी में हाथी चलता है। हाथी जानता है पानी में जल्दबाजी करूंगा तो कीचड़ या गड्ढे में गिर सकता हूं। लिहाजा आगे और पीछे के पैर रखने में वह गजब का संतुलन बनाता है। बस, ऐसा ही संतुलन हमें बाहर और भीतर की यात्रा में रखना होगा। जैसे ही हम संतुलन में आते हैं हमारी अंतर दृष्टि स्पष्ट हो जाती है और हम स्वयं को पहचान जाते हैं। स्वयं को जानते ही परमात्मा दिख जाता है। भगवान होना नहीं पड़ता, बस यह समझना पड़ता है कि हम हैं ही भगवान। जरा सा स्वयं का पता लगा और दुनिया बदली। इसीलिए संतुलन जरूरी है संयम की अति से।

विदेशी निवेशकों का मूड बदला, शेयर बाजार से 7443 करोड़ की निकासी

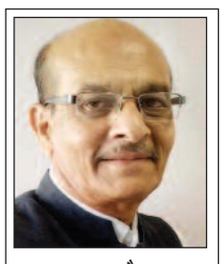

सनत जैन

शेयर बाजार बड़े-बड़े पूंजी निवेशकों की कमाई का अड्डा बन गया है। इसमें छोटे निवेशक और भारतीय संस्थागत वित्तीय निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, लेकिन भारत सरकार और सेबी जैसी संस्थाएं आंख बंद करके बैठी हुए हैं। विदेशी निवेशकों ने 7,443 करोड़ की निकासी की है। जो बाजार के लिए बड़े खतरे की घंटी है। पहले भी विदेशी निवेशक लाखों करोड़ों रुपए निकाल चुके हैं। पिछले दो महीने की खरीदारी से थोड़ी आशा बंधी थी, लेकिन सितंबर माह में अमेरिका-ईरान तनाव, महंगा कच्चा तेल, मजबूत डॉलर और बॉन्ड यील्ड ने विदेशी निवेशकों की चिंता को बढ़ा दिया है। भारतीय शेयर बाजार के विदेशी पोर्टफोलियो के निवेशकों की निकासी से एक बार फिर शेयर बाजार में चिंता हो गई है। करीब दो महीने तक भारतीय बाजार में लगातार पैसा लगाने के बाद विदेशी निवेशकों ने सितंबर के पहले सप्ताह में ही 7,443 करोड़ रुपये की निकासी कर ली है। यह केवल आंकड़ों का उतार-चढ़ाव नहीं है, वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक परिस्थितियों के प्रति विदेशी पूंजी की संवेदनशीलता का संकेत भी है। भारतीय शेयर बाजार से निवेशकों को मुनाफे की जगह घाटा उठाना पड़ रहा है। वहीं भारतीय शेयर बाजार में जोखिम भी बढ़ता जा रहा है। अमेरिका-ईरान तनाव ने कच्चे तेल, डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिसका असर भारत जैसे बाजारों पर पड़ रहा है। यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है। विदेशी निवेशकों का मूड पिछले दो महीनों में ही बदल गया है। चार महीने की लगातार बिकवाली के बाद जुलाई और अगस्त में एफपीआई ने भारतीय बाजार में बड़ी मात्रा में पैसा लगाया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में उन्होंने करीब 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 30,919 करोड़ रुपये का निवेश किया था। दो महीनों में कुल 51,119 करोड़ रुपये की विदेशी पूंजी भारतीय बाजार में आई। इसके तुरंत बाद सितंबर की शुरूआती बिकवाली ने बाजार के सामने फिर वही सवाल खड़ा कर दिया है। जो 4 माह पहले खड़ा हुआ था। विदेशी निवेशकों का भरोसा भारतीय शेयर बाजार में बन नहीं पा रहा है। भू-राजनीतिक तनाव का असर तथा कंपनियों में धोखाधड़ी की खबरों को लेकर विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार को जोखिम के रूप में देख रहे हैं। शेयर बाजार का उतार-चढ़ाव और निवेश अकेले भारतीय कंपनियों के प्रदर्शन पर निर्भर नहीं करते हैं। वैश्विक ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की कीमतें और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्ष निवेश निर्णयों को प्रभावित करते हैं। अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करता है। तेल महंगा होने का सीधा असर आयात बिल, महंगाई और चालू खाते पर पड़ता है। इससे कंपनियों की कमाई पर असर पड़ता है। यह आशंका विदेशी निवेशकों को सतर्क कर रही है। भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। महंगाई बढ़ रही है। मांग कम हो रही है। इसका असर कंपनियों के मुनाफे पर दिखने लगा है। पिछले दो महीने में जिस तरह से भारत में आंदोलन धरना प्रदर्शन हो रहे हैं, घोटाले के बड़े-बड़े मामले सामने आ रहे हैं, इससे निवेशक भयभीत होकर शेयर बाजार से बाहर निकल रहे हैं। 2026 में शेयर बाजार से निकासी का यह आंकड़ा चिंताजनक है। सितंबर की शुरूआती बिकवाली ने वर्ष 2026 में विदेशी निवेशकों की कुल निकासी को 2.32 लाख करोड़ तक पहुंचा दिया है। यह आंकड़ा 2025 में 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से अधिक है। बीच-बीच में विदेशी पूंजी की वापसी बाजार में भरोसे का संकेत देती है, उनका बार-बार तेजी से बाहर निकलना, भारतीय शेयर बाजार की विदेशी पूंजी पर निर्भरता को उजागर करता है। विदेशी निवेशक जब शेयर खरीदते हैं, बाजार में तेजी को बल मिलता है। भारी बिकवाली होने का असर कई रूप में देखने को मिल सकता है। छोटे और घरेलू निवेशकों पर इसका मनोवैज्ञानिक असर होता है। शेयर बाजार और भारतीय अर्थव्यवस्था की असली परीक्षा आने वाले कुछ महीनों में सामने आएगी। विशेषज्ञों की नजर विदेशी निवेशकों के उस रुख पर है। यदि अमेरिकी बॉन्ड पर आकर्षक रिटर्न मिलता है। डॉलर मजबूत बना रहता है, ऐसी स्थिति में विदेशी पूंजी का बड़ा हिस्सा उभरते बाजारों से निकलकर विकसित बाजारों में निवेश की संभावना बढ़ेगी। जो भारतीय बाजार के लिए विदेशी पूंजी के उतार-चढ़ाव के बावजूद अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखने की सबसे बड़ी चुनौती है। भारतीय अर्थ व्यवस्था की घरेलू मांग, कंपनियों की आय, सरकारी निवेश और घरेलू संस्थागत निवेशक, बाजार को सहारा दे सकते हैं। वैश्विक जोखिमों को देखते हुए भारतीय शेयर बाजार में दोहरी मार पड़ रही है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारतीय शेयर बाजार में नए इशू आ रहे हैं। इसमें मनमाना प्रीमियम लिया जा रहा है। विदेशी निवेशक इस खेल को अच्छी तरह से समझते हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय शेयर बाजार में उनके लिए दीर्घकालीन निवेश करने के लिए कोई अवसर नहीं है। जिसके कारण विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार पैसा निकाल रहे हैं। निवेश करने में रुचि नहीं ले रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ी चेतावनी है।

जहरीली शराब से फिर मौतों का तांडव :सागर से उठता सवाल -जहरीली शराब की कीमत कौन चुका रहा है?

किशन सनमुखदास

मौतें जनता की,राजस्व सरकार का और फायदा माफिया का? -शराब माफिया बड़ा या सरकारी सिस्टम?- समग्र व्यापक विश्लेषण...

हर बार मौत,हर बार जांच, फिर वही जहरीली शराबः आखिर कब टूटेगा माफिया का नेटवर्क?

सागर की जहरीली शराब त्रासदी :मौत के जाम के पीछे कौन? शराब माफिया,प्रशासन और सिस्टम कीजवाबदेही पर बड़ा सवाल?-कब रुकेगा मौत का यह सिलसिला? -देशभर के लिए जहरीली शराब के खिलाफ निर्णायक जंग का आह्वान

वैश्विक स्तरपर भारत में जहरीली शराब से मौत की खबर कोई नई खबर नहीं है।वर्षों से अलग-अलग राज्यों से ऐसी त्रासदियां सामने आती रही हैं और हर बार मौतों के बाद जांच,छापे, गिरफ्तारी,निलंबन, मुआवजा और कठोर कार्रवाई के आश्वासन सुनाई देते हैं।लेकिन कुछ समय बाद वही कहानी किसी दूसरे जिले, दूसरे राज्य और दूसरे गांव में फिर सामने आ जाती है। 6 सितंबर 2026 को मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा क्षेत्र से सामने आई कथित जहरीली/अवैध शराब की त्रासदी ने इसी पुराने प्रश्न को फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है, आखिर जहरीली शराब का नेटवर्क बार-बार क्यों लौट आता है और उसे स्थायी रूप से तोड़ने में व्यवस्था क्यों सफल नहीं हो पा रही? मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाले से बताना चाहूंगा कि सागर में 6 सितंबर को सुबह से मृतकों की संख्या लगातार बदलती रही।शुरूआती रिपोर्टों में 8-9 मौतें सामने आईं,बाद में 11 और कुछ रिपोर्टों में 12 से 14 से अधिक मौतों की सूचना दी गई।30 से अधिक लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की खबरें भी सामने आईं। प्रभावित क्षेत्र में बंडा तहसील के कई गांवों के नाम सामने आए हैं और प्रशासन ने मेडिकल तथा जांच टीमें तैनात की हैं। शुरूआती चिकित्सकीय आकलन में मेथनॉल विषाक्तता की आशंका व्यक्त की गई,लेकिन अंतिम कारण पोस्टमार्टम और रासायनिक जांच के बाद ही निश्चित होगा।

साथियों, इस घटना ने एक और गंभीर पहलू सामने रखा है। प्रारंभिक जांच संबंधी रिपोर्टों में उत्तर प्रदेश के ललितपुर से कथित नकली शराब नेटवर्क का कनेक्शन सामने आने की बात कही गई है।जांच रिपोर्टों के अनुसार नकली शराब को वास्तविक ब्रांड जैसा दिखाने के लिए नकली लेबल, ढक्कन और क्यूरआर कोड का इस्तेमाल किए जाने का आरोप है तथा इसे वाहनों और मोटरसाइकिलों के माध्यम से मध्य प्रदेश के गांवों तक पहुंचाने की बात सामने आई है।कुछ रिपोर्टों में पांच शराब दुकानों को सील किए जाने की जानकारी भी है। हालांकि इस पूरे नेटवर्क की वास्तविक संरचना और किस स्तर तक इसकी पहुंच थी,यह जांच पूरी होने के बाद ही सटीकता से स्पष्ट होगा।

साथियों,यहीं से पहला और सबसे बड़ा प्रश्न उठता है शराब माफिया आखिर इतना संगठित कैसे हो जाता है कि नकली उत्पाद तैयार कर सके,उसे असली ब्रांड जैसा पैक कर सके,नकली क्यूरआर कोड लगा सके,सीमावर्ती जिलों में पहुंचा सके और अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचा सके? यदि किसी नेटवर्क में उत्पादन, पैकेजिंग, परिवहन, वितरण और स्थानीय बिक्री की अलग- अलग कड़ियां मौजूद हैं,तो यह केवल एक व्यक्ति की आपराधिक गतिविधि नहीं रह जाती;यह संगठित अवैध अर्थव्यवस्था का रूप ले लेती है।सागर की प्रारंभिक जांच में ललितपुर कनेक्शन की बात सामने आना इसी पहलू को गंभीर बनाता है।

साथियों,बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े पहले स्तरः शराब माफिया,नकली शराब की पूरी श्रृंखला को समझने की करें तो,अवैध शराब का कारोबार सामान्यतः केवल उस व्यक्ति तक सीमित नहीं होता जो अंतिम बोतल बेचता है।सवाल यह है कि नकली शराब बनती कहां है,उसके लिए कच्चा माल और रसायन कहां से आते हैं,उसे तैयार कौन करता है,बोतलों में कौन भरता है नकली ब्रांडिंग कौन करता है,परिवहन कौन करता हैऔर स्थानीय स्तर पर उसे बेचने वाला कौन है? सागर मामले में यदि ललितपुर से उत्पादन और सागर तक आपूर्ति की जांच सही साबित होती है, तो जांच एजेंसियों को केवल स्थानीय विक्रेता तक रुकने के बजाय पूरे सप्लाई नेटवर्क को खंगालना होगा।मई 2026 के पुणे मामले ने भी इसी नेटवर्क की गंभीरता दिखाई थी। वहां जांच में मेथनॉल की आपूर्ति और उसे अवैध शराब में मिलाए जाने की कड़ी सामने आई तथा एफडीए ने हजारों किलोग्राम मेथनॉल जब्त किया था।यानें जहरीली शराब की समस्या केवल कुछ लोग चोरी से शराब बना रहे हैं तक सीमित नहीं है; इसके पीछे रसायनों की उपलब्धता,अवैध उत्पादन वितरण और स्थानीय बिक्री जैसी अनेक कड़ियां हो सकती हैं।

साथियों,बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े दूसरे स्तर, प्रशासन और आबकारी व्यवस्था,निगरानी कहां टूटती है? इसको समझने की करें तो,दूसरा सवाल सीधे प्रशासन और आबकारी विभाग की जिम्मेदारी से जुड़ता है।लाइसेंस प्राप्त शराब दुकानों की निगरानी, अवैध बिक्री की पहचान, संदिग्ध शराब की जांच,स्टॉक और दस्तावेजों का सत्यापन तथा अवैध नेटवर्क के विरुद्ध कार्रवाई व्यवस्था की जिम्मेदारियों का हिस्सा हैं।यदि किसी क्षेत्र में लंबे समय तक अवैध शराब बिकती रहती है,तो यह पूछना स्वाभाविक है कि स्थानीय सूचना तंत्र, पुलिस, आबकारी विभाग और जिला प्रशासन के बीच समन्वय कितना प्रभावी था।लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सिद्धांत भी जरूरी है,हर जहरीली शराब की घटना के बाद पूरे प्रशासन को बिना जांच दोषी घोषित करना उचित नहीं है।दोष व्यक्तिगत अधिकारियों का है?,विभागीय लापरवाही है? स्थानीय मिलीभगत है? या नेटवर्क ने निगरानी को चकमा दिया? यह स्वतंत्र जांच से तय होना चाहिए।फिर भी यदि जांच में यह सामने आता है कि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई,संदिग्ध दुकानों की निगरानी नहीं की गई या अधिकारियों ने जानबूझकर आंखें बंद कीं, तो जवाबदेही केवल माफिया तक सीमित नहीं रह सकती।पुणे त्रासदी के बाद पुलिस और आबकारी विभाग के 22 कर्मचारियों के निलंबन? ने यही सिद्धांत सामने रखा कि यदि सरकारी निगरानी में गंभीर चूक प्रमाणित होती है तो प्रशासनिक जवाबदेही भी सटीकता से तय की जा सकती है।

साथियों बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े तीसरे स्तरःराजनीतिक और आर्थिक विरोधाभास,राजस्व बनाम जीवन इसको समझने की करें तो,भारत में शराब एक बड़ा आर्थिक क्षेत्र है और अनेक राज्य इससे महत्वपूर्ण राजस्व प्राप्त करते हैं। यही सबसे बड़ा विरोधाभास पैदा करता है। एक ओर सरकार शराब की बिक्री को नियंत्रित और लाइसेंस करती है तथा उससे राजस्व प्राप्त करती है; दूसरी ओर उसी व्यवस्था के समानांतर अवैध शराब का बाजार खड़ा हो जाता है, जो कभी-कभी सीधे मानव जीवन के लिए खतरा बन जाता है।इसका अर्थ यह नहीं कि वैध शराब की बिक्री अपने आप जहरीली शराब की जिम्मेदार है। समस्या उस समय पैदा होती है जब वैध और अवैध बाजार के बीच निगरानी की दीवार कमजोर पड़ती है। नकली बोतल, नकली लेबल, नकली क्यूरआर कोड और असली ब्रांड की नकल उपभोक्ता को यह समझने का अवसर ही नहीं देती कि वह क्या पी रहा है। सागर मामले में सामने आई कथित फर्जी पैकेजिंग इसी चिंता को और गंभीर बनाती है।इसलिए प्रश्न शराब के राजस्व को बंद करने या जारी रखने से पहले यह होना चाहिए कि क्या सरकार की नियामक क्षमता इतनी मजबूत है कि राजस्व व्यवस्था के साथ नागरिकों की सुरक्षा भी सटिका से सुनिश्चित की जा सके?

साथियों बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े,चौथे स्तरः मानव जीवन बनाम सरकारी राजस्व को समझने की करें तो,सबसे बड़ा प्रश्न आखिरकार आर्थिक नहीं, मानवीय है। एक व्यक्ति की मृत्यु का मूल्य किसी सरकारी राजस्व तालिका में दर्ज नहीं किया जा सकता। जहरीली शराब से मरने वाले व्यक्ति के पीछे एक परिवार होता है बच्चे होते हैं, माता-पिता होते हैं, पत्नी या पति होते हैं, भविष्य की योजनाएं होती हैं और परिवार की आर्थिक सुरक्षा होती है।यदि कोई व्यक्ति जहरीली शराब पीकर मरता है तो नुकसान केवल एक जीवन का नहीं होता। परिवार की आय समाप्त हो सकती है, बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो सकती है, चिकित्सा खर्च बढ़ सकता है, परिवार कर्ज में जा सकता है और सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता पैदा हो सकती है। इसलिए जहरीली शराब की वास्तविक सामाजिक लागत उस तत्काल सरकारी राजस्व से कहीं अधिक हो सकती है जो शराब के वैध कारोबार से प्राप्त होता है।भारत की जनता अब बार-बार सामने आने वाली ऐसी खबरों से केवल दुखी नहीं है; वह जवाब चाहती है। सवाल अब यह नहीं होना चाहिए कि अगली घटना के बाद कितने लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा। सवाल यह होना चाहिए कि अगली घटना होने ही न देने की सटिका से व्यवस्था कब बनेगी?

हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए ज्ञान की रोशनी

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए।

दुनियाभर में लोगों को साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 8 सितंबर को विश्वभर में ह्यअंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवसह्न मनाया जाता है। दुनिया से अशिक्षा को समाप्त करने के संकल्प के साथ इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की 60वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। पहली बार यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा 17 नवम्बर 1965 को 8 सितंबर को ही अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद प्रथम बार 8 सितंबर 1966 से शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा विश्वभर के लोगों का इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष इसी दिन यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। वास्तव में यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का ही प्रमुख घटक है।

निरक्षरता को खत्म करने के लिए ईरान के तेहरान में शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन के दौरान वर्ष 1965 में 8 से 19 सितंबर तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए पहली बार बैठक की गई थी और यूनेस्को ने नवम्बर 1965 में अपने 14वें सत्र में 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया। उसके बाद से सदस्य देशों द्वारा प्रतिवर्ष 8 सितंबर को 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। साक्षरता दिवस के अवसर पर निरक्षरता समाप्त करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के पक्ष में वातावरण तैयार किया जाता है। यह दिवस लगातार शिक्षा को प्राप्त करने की ओर लोगों को बढ़ावा देने के लिए तथा परिवार, समाज और देश के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए मनाया जाता है।

दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में फिलहाल करीब चार अरब लोग साक्षर हैं

लेकिन विड़म्बना यह है कि आज भी विश्वभर में करीब एक अरब लोग ऐसे हैं, जो पढ़ना-लिखना नहीं जानते। तमाम प्रयासों के बावजूद दुनियाभर में 77 करोड़ से भी अधिक युवा भी साक्षरता की कमी से प्रभावित हैं अर्थात प्रत्येक पांच में से एक युवा अब तक साक्षर नहीं है, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 6-7 करोड़ बच्चे आज भी ऐसे हैं, जो कभी विद्यालयों तक नहीं पहुंचते जबकि बहुत से बच्चों में नियमितता का अभाव है या फिर वे किसी न किसी कारणवश विद्यालय जाना बीच में ही छोड़ देते हैं। कोरोना काल में यह समस्या और ज्यादा गहरी हुई। करीब 58 फीसदी के साथ सबसे कम व्यस्क साक्षरता दर के मामले में दक्षिण और पश्चिम एशिया सर्वाधिक पिछड़े हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक विशेष थीम चुनी जाती है और इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम है 'लोगों, धरती और समृद्धि के लिए साक्षरता'। वर्ष 2025 और 2024 में साक्षरता दिवस क्रमशः 'डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना' और 'बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देनाः आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता' थीम के साथ मनाया गया था। इस विशेष दिवस के लिए 2006 से लेकर अब तक निर्धारित थीम पर नजर डालें तो 2006 में सामाजिक प्रगति प्राप्ति पर ध्यान देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय 'साक्षरता सतत विकास' रखा गया था। वर्ष 2007 और 2008 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की विषय-वस्तु 'साक्षरता और स्वास्थ्य' थी, जिसके जरिये टीबी, कॉलेरा, एचआईवी, मलेरिया जैसी फैलने वाली बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए महामारी के ऊपर ध्यान केन्द्रित करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्ष 2009 में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देने के लिए इसका विषय 'साक्षरता और सशक्तिकरण' रखा गया था जबकि 2010 की थीम 'साक्षरता विकास को बनाए रखना' थी। 2011 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए थीम 'साक्षरता और महामारी' (एचआईवी, क्षय रोग, मलेरिया आदि संक्रमणीय बीमारियों) पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थी। 2012 में लैंगिक समानता और महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थीम थी 'साक्षरता और सशक्तिकरण'। 2013 में शांति के लिए साक्षरता के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए 'साक्षरता और शांति', 2014 में '21वीं शताब्दी के लिए साक्षरता', 2015 में 'साक्षरता और सतत विकास', 2016 में 'अतीत पढ़ना, भविष्य लिखना', 2017 में 'डिजिटल दुनिया में साक्षरता', 2018 में 'साक्षरता और कौशल विकास' अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। 2019 में 'साक्षरता और बहुभाषावाद', वर्ष 2020 में 'कोविड-19 संकट और उससे संबंधित शिक्षा और शिक्षण', 2021 में 'मानव-केन्द्रित पुनर्प्राप्ति के लिए साक्षरताः डिजिटल विभाजन को कम करना' (लिटरेसी फॉर ए ह्यूमन-सेंट्रड रिकवरीः नैरोइंग द डिजिटल डिवाइड), 2022 में 'ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेस' (साक्षरता सीखने के स्थान को बदलना) तथा 2023 में 'संक्रमण काल में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देनाः टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाजों की नींव का निर्माण' (प्रोमोटिंग लिटरेसी फॉर ए वर्ल्ड इन ट्रांजिशनः बिल्डिंग द फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल एंड पीसफुल सोसायटीज) अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी।

बहरहाल, भारत हो या दुनिया के अन्य देश, गरीबी मिटाना, बाल मृत्यु दर कम करना, जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित करना, लैंगिक समानता प्राप्त करना आदि समस्याओं के समूल विनाश के लिए सभी देशों का पूर्ण साक्षर होना बेहद जरूरी है। दरअसल साक्षरता ही सामाजिक विकास का आधार स्तंभ बन सकती है। साक्षरता में ही वह क्षमता है, जो परिवार और देश की प्रतिष्ठा बढ़ा सकती है। आंकड़े देखें तो दुनिया में 100 से भी अधिक देश अभी भी ऐसे हैं, जो पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लक्ष्य से अभी दूर हैं और चिंता की बात है कि भारत भी इनमें शामिल है। हालांकि आजादी के बाद देश में साक्षरता दर काफी तेजी से बढ़ी है लेकिन अभी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है।

मालन नदी के वैकल्पिक मार्ग की बदहाली पर उक्रांद का धरना

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मालन नदी पर बने वैकल्पिक मार्ग की लंबे समय से मरम्मत न होने से नाराज उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) ने सोमवार को तल्ला मोटाढांक में एक दिवसीय धरना देकर शासन-प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जताया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद मार्ग की स्थिति सुधारने को लेकर कोई ठोस पहल नहीं की गई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र मार्ग की मरम्मत नहीं कराई गई तो उक्रांद व्यापक जन आंदोलन शुरू करेगा। महानगर अध्यक्ष भारत मोहन काला के नेतृत्व में आयोजित धरने में वक्ताओं ने कहा कि करीब तीन वर्ष पहले मालन नदी का पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद क्षेत्र में आवागमन बनाए रखने के लिए वैकल्पिक मार्ग तैयार कराया गया था। ह्यूम पाइप डालकर बनाए गए इस मार्ग से आसपास के ग्रामीणों के साथ ही औद्योगिक इकाइयों से जुड़े वाहनों की आवाजाही भी सुचारु हुई थी। वक्ताओं के मुताबिक मालन नदी पर नए पुल के निर्माण के बाद वैकल्पिक मार्ग की ओर

वैकल्पिक मार्ग मरम्मत के लिए धरना देते उक्राद कार्यकर्ता व पदाधिकारी

ध्यान नहीं दिया गया। देखरेख के अभाव में नदी के बहाव और कटाव से मार्ग के दोनों हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। मार्ग की बदहाल स्थिति के कारण स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उक्रांद नेताओं ने कहा कि वैकल्पिक मार्ग की मरम्मत होने से मालन पुल पर वाहनों का दबाव कम किया जा सकता है। साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में आने-जाने वाले भारी वाहनों के लिए भी यह मार्ग उपयोगी साबित होगा। उन्होंने प्रशासन से मार्ग का स्थायी समाधान करने और जल्द मरम्मत कार्य शुरू कराने की मांग की। धरने में केंद्रीय सलाहकार समिति के सदस्य महेंद्र सिंह रावत, केंद्रीय उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश भारद्वाज, संगठन सचिव सत्यपाल सिंह नेगी, प्रचार सचिव उमेद सिंह भंडारी, रविंद्र सोंध, पूर्व नगर अध्यक्ष जगदीपक रावत, जिलाध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ नरेश धस्माना, नगर महामंत्री सैनिक प्रकोष्ठ राजेश कुमार बुड़ाकोटी, कृपाल सिंह गुसाईं, अमित सौंद, यशपाल बिष्ट, शिवचरण सौंद, वीरेंद्र प्रसाद, वीरेंद्र भट्ट, सीमा बिष्ट, विनीता देवी, पुष्पा मेहरा, राधा देवी, मीनाक्षी लखेड़ा, कृष्णा बिष्ट, कल्पना जोशी, सरोजनी बिष्ट और पूनम भंडारी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बग्याल गांव मोटर मार्ग हुआ बदहाल

उत्तरकाशी। जिला मुख्यालय के नजदीक बग्याल गांव का करीब चार किलोमीटर मोटर मार्ग बरसात के बाद बदहाल हो गया है। मार्ग के करीब ढाई किलोमीटर हिस्से में जगह–जगह गहरे गड्ढे बने हैं। इसके साथ ही सड़क पर बहते पानी से वाहन चालकों के साथ ही राहगीरों को भी आवाजाही में परेशानी हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि इस पर सफर करना हादसे को न्योता देने जैसा है। भटवाड़ी ब्लॉक के कनिष्ठ प्रमुख योगेश डंगवाल और ग्राम प्रधान पुष्पा भट्ट ने बताया कि सड़क की खराब हालत के कारण कई दोपहिया वाहन चालक चोटिल हो चुके हैं। बरसात के दौरान समस्या और गंभीर हो जाती है।उन्होंने कहा कि लंबे समय से सड़क की हालत खराब है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इसकी मरम्मत और सुधारीकरण को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं।

खेल महाकुंभ का आगाज, दौड़ में आरूषी, यास्मीन और आयुष रहे अव्वल

आयोजित दौड़ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्राएं

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज दिउला पौखाल में न्याय पंचायत स्तरीय खेल महाकुंभ का शुभारंभ हो गया। प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न दौड़ स्पर्धाओं में छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। 100 मीटर दौड़ में आरूषी और बालक वर्ग में आयुष ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि 800 मीटर दौड़ में यास्मीन खातून ने बाजी मारी। खेल महाकुंभ का उद्घाटन सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत बहुखंडी और विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रदीप बिष्ट ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने प्रतिभागी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। बच्चों को पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताएं बच्चों को अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे निखारने का अवसर प्रदान करती हैं। आज अनेक युवा खेलों के माध्यम से प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रहे हैं। प्रतियोगिता के तहत बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में आरूषी प्रथम, अंजलि द्वितीय और मनीष तृतीय स्थान पर रहीं। 800 मीटर दौड़ में यास्मीन खातून ने प्रथम, दीपिका राणा ने द्वितीय और आंचन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में आयुष प्रथम, तुषार द्वितीय और प्रयांशु तृतीय रहे। इस अवसर पर विनय चंदोला, डीएस नेगी, शशिभूषण अमोली सहित विद्यालय के शिक्षक, आयोजन से जुड़े लोग और प्रतिभागी खिलाड़ी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

महीनों से बंद जन औषधि केंद्र, ताले में कैद सस्ती दवाओं का सपना

बड़कोट। गरीब और मध्यम वर्गीय मरीजों को बाजार से कम कीमत पर दवाएं उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री जन औषधि योजना बड़कोट में महज खानापूर्ति बनकर रह गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़कोट परिसर में संचालित जन औषधि केंद्र पिछले कई महीनों से बंद पड़ा है। केंद्र पर लंबे समय से ताला लटका होने के कारण अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। एक ओर सरकार जन औषधि योजना को आमजन तक पहुंचाने और इसके प्रचार–प्रसार पर जोर दे रही है, वहीं दूसरी ओर बड़कोट में योजना का केंद्र ही महीनों से बंद पड़ा है। ऐसे में सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच अंतर साफ नजर आ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि केंद्र शुरू होने के शुरुआती दौर में यहां कुछ जरूरी दवाएं उपलब्ध होती थीं लेकिन धीरे–धीरे दवाओं की आपूर्ति और उपलब्धता कम होती गई। पर्याप्त दवाएं नहीं मिलने से मरीजों का केंद्र की ओर रुझान घटा और आखिरकार इसका संचालन पूरी तरह बंद हो गया। सीएचसी बड़कोट में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों और दूरस्थ इलाकों से बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। अस्पताल में इलाज कराने के बाद जब उन्हें दवाओं की जरूरत पड़ती है तो बंद जन औषधि केंद्र के कारण उन्हें निजी मेडिकल स्टोरों का रुख करना पड़ रहा है। इससे उन मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है जिनके लिए जन औषधि केंद्र जैसी सुविधा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। सीएमओ डॉ श्याम विजय सिंह का कहना है कि एक दो दिन के भीतर औषधि केंद्र को संचालित करने का प्रयास किया जाएगा। संबंधित को जरूरी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

सामाजिक सौहार्द संकल्प धरने में गरजे भाजपाई

उत्तरकाशी। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की ओर से सोमवार को हनुमान चौक में एक दिवसीय सामाजिक सौहार्द संकल्प धरना आयोजित किया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का पुतला फूंककर प्रदर्शन किया।

हनुमान चौक पर आयोजित धरने को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नागेंद्र चौहान ने कहा कि हल्द्वानी की घटना को लेकर सरकार का रुख स्पष्ट है। किसी भी व्यक्ति के सम्मान, अधिकार और सामाजिक गरिमा से समझौता नहीं होना चाहिए। पुरोला विधायक दुर्गेश्वर लाल ने कहा कि देवभूमि के सामाजिक सौहार्द, आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण वातावरण को बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि दलित सम्मान किसी राजनीतिक दल की जागीर नहीं, बल्कि संविधान प्रदत्त अधिकार है। प्रदेश प्रवक्ता अनुसूचित जाति मोर्चा रविंद्र वाल्मीकि ने कहा कि भाजपा सरकार दलित सम्मान को चुनावी नारा नहीं, बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी मानती है। मोर्चा के जिला संयोजक सोहनलाल, गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण, प्रजापति सहित अन्य वक्ताओं ने कांग्रेस पर जातिवाद और तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। इस मौके पर गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान, पूर्व विधायक विजयपाल सिंह सजवाण, जयवीर चौहान, महावीर नेगी, राजदीप परमार, चंडी प्रसाद भट्ट, ममता पवार, कृपाराम सेमवाल, अरविंद नेगी, राजेश राणा, राजेंद्र गंगाड़ी, हीरालाल शाह, महादेव रावत आदि मौजूद रहे।

छात्रों के साथ अब अभिभावक भी हुए मुखर

पुरोला। बर्फिया लाल जुवांठा पीजी कॉलेज कुरुड़ा में लंबित शैक्षणिक समस्याओं को लेकर छात्रों का अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को आठवें दिन भी जारी रहा। लगातार एक सप्ताह से अधिक समय से चल रहे छात्र आंदोलन के बीच अब अभिभावक संघ भी मैदान में उतर आया है। संघ ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर छात्रों की मांगों पर जल्द निर्णय लेने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि समाधान नहीं हुआ तो 11 सितंबर से तहसील मुख्यालय पुरोला में अभिभावक भी अनिश्चितकालीन धरना शुरू करेंगे।

छात्र महाविद्यालय में शिक्षकों और कर्मचारियों के रिक्त पदों को भरने, एनसीसी सीनियर डिवीजन की स्थापना व स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर नए विषयों का संचालन शुरू करने की मांग कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि ये मांगें लंबे समय से लंबित हैं और बार–बार आश्वासन मिलने के बावजूद इन पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी है। सोमवार को अभिभावक संघ ने उप जिलाधिकारी पुरोला के माध्यम से मुख्यमंत्री उत्तराखंड को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में कहा गया कि महाविद्यालय में नए विषय शुरू करने समेत अन्य शैक्षणिक सुविधाओं की मांग वर्षों से विभाग और शासन के समक्ष रखी जाती रही है।

कांग्रेस पर लगाया सामाजिक ध्रुवीकरण का आरोप

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित मोर्चा की ओर से सोमवार को तहसील परिसर में धरना दिया गया। धरने में भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर सनातन धर्म को जातियों में बांटने और सामाजिक ध्रुवीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता तहसील परिसर में एकत्र हुए और धरने पर बैठे। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लैंसडौन विधायक महंत दिलीप सिंह रावत ने कहा कि कांग्रेस तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है और सनातन धर्म को जातियों में बांटने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीती आठ अगस्त को हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली जिस स्थान पर आयोजित हुई थी, वह रामलीला का पवित्र मैदान था। भाजपा नेताओं का आरोप है कि वहां सनातन विरोधी नारे लगाए गए। इसके बाद एक सामाजिक संगठन की ओर से पूजा-पाठ कर मैदान का शुद्धीकरण किया गया, जिसे उन्होंने उचित बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस मामले को राजनीतिक मुद्दा बनाकर सामाजिक ध्रुवीकरण करने का प्रयास कर रही है, जिसे भाजपा सफल नहीं होने देगी। विधायक ने कहा कि भाजपा सरकार अनुसूचित जाति के उत्थान

कोटद्वार तहसील परिसर में धरना देते भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी

के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की ओर से अनुसूचित जाति के कल्याण के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ लेकर अनुसूचित समाज मुख्यधारा में शामिल होकर प्रगति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पौड़ी के पूर्व विधायक मुकेश कोहली ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के पास अब जनहित से जुड़े मुद्दों का अभाव है। यही कारण है कि अनुसूचित जाति के लोगों को अपने पक्ष में करने के लिए इस प्रकार का दुष्प्रचार किया जा रहा है। महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने भी कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने कभी अनुसूचित जाति के हितों के लिए मजबूती से आवाज नहीं उठाई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर का अपमान किया और उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने में भी उचित भूमिका नहीं निभाई। इस अवसर पर जौनी केसरिया, सुनीता देवी, चंद्रकांत द्विवेदी, आशीष रावत, रमेश मैखुरी, वीरेंद्र सिंह रावत, अमित नेगी और दीपक ध्यानी सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

काशीरामपुर तल्ला में रामलीला के लिए कमेटी गठित

25 सितंबर से पांच अक्टूबर तक होगा रामलीला का मंचन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत काशीरामपुर तल्ला में रामलीला मंचन को लेकर आयोजित बैठक में रामलीला संचालन समिति का गठन किया गया। बैठक में पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपने के साथ ही आगामी रामलीला के आयोजन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

समिति में डॉ. घनानंद शर्मा और कांति तिवाड़ी को जिम्मेदारी दी गई है। सचिव पद पर सोहन लाल गुप्ता, वीरेंद्र सिंह रावत और भीम सिंह बिष्ट को चुना गया। वहीं उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी नारायण सिंह भंडारी, संजीव थपलियाल और शांति नेगी को दी गई है। मोहन सिंह चौहान और विवेक बनियाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। रघुवीर सिंह ठाकुर और सुरेशानंद देवली को समिति में संरक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि दिनेश बौंठियाल को रामलीला का निर्देशक चुना गया। बैठक में तय किया गया कि काशीरामपुर तल्ला स्थित रामलीला मैदान में 25 सितंबर से पांच अक्टूबर तक रामलीला का मंचन किया जाएगा। आयोजन की खास बात यह रहेगी कि इस बार रामलीला के सभी पात्रों का अभिनय मातृशक्ति द्वारा किया जाएगा। आयोजकों ने कहा कि रामलीला के माध्यम से क्षेत्र में धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देने के साथ ही महिलाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा।

रेलवे भवन में घटिया निर्माण पर डीआरएम ने जताई नाराजगी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मुरादाबाद मंडल की मंडलीय रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) विनीता श्रीवास्तव ने कोटद्वार रेलवे स्टेशन परिसर में निर्माणाधीन नए रेलवे भवन का निरीक्षण किया। भवन निर्माण में गुणवत्ता संबंधी कमियां मिलने पर उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों के प्रति नाराजगी जताते हुए कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने निर्माण कार्य में मिली कमियों को शीघ्र दूर कर भवन को रेलवे को हस्तांतरित करने की कार्रवाई पूरी करने के निर्देश दिए। कोटद्वार पहुंची डीआरएम विनीता श्रीवास्तव ने रेलवे स्टेशन परिसर में निर्माणाधीन नए भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन निर्माण की गुणवत्ता का जायजा लिया। इस दौरान निर्माण कार्य में कुछ कमियां मिलने पर उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण में किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी कमियों को दूर कर भवन को जल्द रेलवे के सुपुर्द करने के निर्देश दिए। डीआरएम ने रेलवे परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को परिसर की स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने और नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीआरएम के कोटद्वार पहुंचने की जानकारी मिलने पर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने भी उनसे मुलाकात की। व्यापारियों ने रेलवे की दीवार से सटी दुकानों को लेकर डीआरएम के समक्ष अपनी बात रखने का प्रयास किया। हालांकि, डीआरएम ने व्यापारियों को रेलवे परिसर के बाहर लगी दुकानों को हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नए भवन के निर्माण के बाद रेलवे परिसर के बाहर दुकानें लगाने का कोई औचित्य नहीं है और इन्हें हटाया जाना जरूरी है। इसके बाद डीआरएम विनीता श्रीवास्तव ने ऐतिहासिक कण्वाश्रम क्षेत्र का भ्रमण किया। उन्होंने यहां स्थापित विभिन्न प्रतिमाओं का अवलोकन किया और कण्वाश्रम स्थित शिव मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र के धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व की जानकारी ली।

कर्मवीर जयानंद भारतीय नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत : नेगी

शैलशिल्पी पराक्रम दिवस पर स्मृति स्मारिका का लोकार्पण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शैलशिल्पी विकास संगठन के तत्वावधान में शैलशिल्पी पराक्रम दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कर्मवीर जयानंद भारतीय के योगदान को याद करते हुए उन्हें नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया गया। कार्यक्रम में 'कर्मवीर जयानंद भारतीय स्मृति स्मारिका' का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने किया। उन्होंने कहा कि छह सितंबर 1932 को हुए पौड़ी कांड के नायक कर्मवीर जयानंद भारतीय ने अदम्य साहस और राष्ट्रभक्ति का परिचय दिया था। उन्होंने ब्रिटिश गवर्नर मैल्कम हेली के सामने भी झुकने से इनकार कर दिया था। पूर्व मंत्री ने कहा कि उस दौर में अंग्रेजी हुकूमत का आतंक और दमन चरम पर था। पौड़ी में तत्कालीन ब्रिटिश शासन के प्रभावशाली अधिकारी एवं गवर्नर मैल्कम हेली के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसी

कोटद्वार में शैलशिल्पी पराक्रम दिवस पर स्मारिका का लोकार्पण करते अतिथिगण।

दौरान कर्मवीर जयानंद भारतीय ने निर्भीकता के साथ वहां पहुंचकर ब्रिटिश शासन के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि जिस समय अंग्रेजी सत्ता के सामने विरोध का स्वर उठाना भी जीवन को खतरे में डालने के समान था, उस समय जयानंद भारतीय ने सत्ता के समक्ष झुकने के बजाय राष्ट्र के स्वाभिमान को सर्वोपरि रखा। उनका साहस और संघर्ष आज भी युवाओं को देशहित में कार्य करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर विकास कुमार आर्य, मीना बछुवाण, डॉ. सुरेंद्र लाल आर्य सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

27 मेधावी छात्र-छात्राओं और दो शिक्षकों का सम्मान

ग्रामीण विकास नागरिक विचार मंच ने आयोजित किया मेधावी छात्र सम्मान समारोह

कोटद्वार में ग्रामीण विकास नागरिक विचार मंच की ओर से सम्मानित छात्र-छात्राएं और शिक्षक।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : ग्रामीण विकास नागरिक विचार मंच की ओर से मेधावी छात्र सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 20 छात्र-छात्राओं और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सात छात्र-छात्राओं को गायत्री देवी सम्मान से सम्मानित किया गया। वहीं दो शिक्षकों को पंडित दीनदयाल नवानी स्मृति शिक्षक सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वन संरक्षक साकेत बडोला, सरोजनी कैंत्यूरा, नीरूबाला खंतवाल और प्रवेश नवानी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य वन संरक्षक साकेत बडोला ने मंच की ओर से किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रतिभावान विद्यार्थियों और शिक्षकों को इस तरह सम्मानित करने से उनका मनोबल बढ़ता है और उन्हें आगे बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। संस्था के अध्यक्ष प्रवेश नवानी ने कहा कि ग्रामीण विकास नागरिक विचार मंच की ओर से विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिवर्ष इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य प्रतिभाओं को सम्मान देकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर प्रकाश कोठारी, शिव प्रकाश कुकरेती, कल्पना तिवाड़ी, जनार्दन प्रसाद ध्यानी, बुद्धिबल्लभ ध्यानी, पीएल खंतवाल, रिपुदमन बिष्ट, विजय लखेड़ा, मुन्नी उनियाल, अशोक थपलियाल और विनोद ध्यानी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्कूल जाते बच्चों को दिखा भालू

पोखरी (चमोली)। सोमवार सुबह विद्यालय जा रहे 15 छात्र–छात्राओं के सामने अचानक दो शावकों के साथ भालू आ धमका। गनीमत रही कि भालू ने बच्चों पर हमला नहीं किया अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। भालू देखकर बच्चे चिल्लाते हुए घर की और दौड़ गए। सोमवार को नैल, गुणम और सिदेली के 15 छात्र–छात्राएं राजकीय इंटर कॉलेज गोदी जा रहे थे। ढोगडम तोक में अचानक उनके सामने भालू आ गया। भालू के साथ दो शावक भी थे। भालू को देखते ही बच्चे चिल्लाते हुए घर की तरफ दौड़े गनीमत रही कि भालू बच्चों के पीछे दौड़ने के बजाय जंगल की ओर चला गया। छात्र अरमान, साहिल, अजय, आरुष, प्रियांशु, अंकोल, मोहित, अरदीप, मीनाक्षी, नेहा, अरुषी, मुस्कान, अमीषा, कशिश प्रिया ने बताया कि भालू के साथ दो बच्चे भी थे। प्रधानाचार्य रूपचंद सैलानी ने बताया कि घटना सुबह करीब साढ़े सात बजे की है। अभिभावकों से संपर्क कर बच्चों को फिलहाल घर पर रहने की सलाह दी गई है। साथ ही बच्चों को अकेले विद्यालय न भेजने को कहा गया है। ग्रामीण देवेंद्र राणा, केदार सिंह, दर्शन सिंह आदि ने बताया कि ग्रामीणों में भय बना हुआ है। लोग रोजमर्रा के काम नहीं कर पा रहे हैं।

पी0द0ब0हि0 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार गढ़वाल बी0जे0एम0सी0 विभाग

ई-मेलः principal.gpgckotdwar@gmail.com| दूरभाषः 8439384124

पत्रांक- 587 /बीजेएमसी/ 2026-27 दिनांक- 3/9/2026

विज्ञप्ति

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार, गढ़वाल के जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन (बीजेएमसी) विभाग में संचालित स्ववित्त पोषित बीजेएमसी पाठ्यक्रम के सत्र 2026-27 हेतु नितांत अस्थाई व्यवस्था के अन्तर्गत अधिकतम ₹15,000/- प्रतिमाह मानदेय के आधार पर UGC/AICTE मानकानुसार योग्यताधारक अभ्यर्थियों से बीजेएमसी विषय में अतिथि प्रवक्ताओं हेतु आवेदन (बायोडाटा व शैक्षणिक योग्यता सम्बन्धी प्रमाण पत्रों व अंकपत्रों की स्वप्रमाणित प्रति) आमंत्रित किये जाते हैं। निर्धारित योग्यता के अनुसार अभ्यर्थी न मिलने पर ₹250/- प्रतिवादन ही मानदेय देय किया जाएगा।

नोट- आवेदन पंजीकृत डाक अथवा स्वयं के द्वारा दिनांक 18/ सितंबर/2026 तक ही स्वीकार किए जाएंगे। अभ्यर्थियों का चयन योग्यता के अनुसार किया जाएगा।

पता- जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन (बीजेएमसी) विभाग, राजकीय स्नातकोतर महाविद्यालय कोटद्वार, गढ़वाल 246149

प्राचार्य

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

कोटद्वार, गढ़वाल

उत्तराखंड के कण-कण में लोक संस्कृति के संवाहक सूत्र समाहित

डिजिटल युग में उत्तराखंड की लोकसंस्कृति और पॉप कल्चर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग द्वारा डिजिटल युग में उत्तराखंड की लोकसंस्कृति और पॉप कल्चर विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने हिंदी विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी के लिए आयोजन मंडल को बधाई देते हुए विषय की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को अपने लोक और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का संदेश दिया।

उन्होंने विद्यार्थी और अध्यापक के आपसी सामंजस्य तथा भारतीय जीवन परंपरा में निहित लोक मूल्यों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उत्तराखंड के कण-कण में लोक संस्कृति के संवाहक सूत्र समाहित हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को लोक संस्कृति के विविध पक्षों को जानने और समझने के लिए प्रेरित किया। उद्घाटन सत्र में बतौर कार्यक्रम अध्यक्ष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्री प्रकाश सिंह, मुख्य अतिथि के रूप में गढ़ गौरव लोकगायक नरेंद्र सिंह नेगी, विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तराखंड सरकार के मीडिया अध्यक्ष प्रो. गोविन्द सिंह एवं जागर सम्राट पद्मश्री डॉ. प्रीतम भरतवाण उपस्थित रहे। राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर मुख्य अतिथि नरेंद्र सिंह नेगी ने विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक गतिविधियों की सराहना करते हुए डिजिटल युग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने लोकगायक के रूप में अपनी अब तक की यात्रा के माध्यम से लोक संस्कृति के महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों ने कलाकारों को सृजनात्मक स्वतंत्रता के साथ-साथ व्यापक सांस्कृतिक आदान-प्रदान के नए अवसर उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने वर्तमान डिजिटल दौर की संभावनाओं और चुनौतियों पर चर्चा करते हुए उभरते गीतकारों एवं कलाकारों से लोकसंस्कृति के मूल स्वरूप और लोकजीवन से जुड़े गीतों के सृजन का आह्वान किया। विशेष उद्बोधन में जागर सम्राट पद्मश्री डॉ. प्रीतम भरतवाण ने पर्वतीय लोक संस्कृति और लोकगीत परंपरा के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली विभूतियों को नमन किया तथा लोक के विविध पक्षों की व्याख्या की। उन्होंने डिजिटल युग में गंभीरता और स्वीकार्यता के अभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए ढोल सागर, पंवाड़ आदि पर्वतीय लोक विधाओं के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया।

पीएम आवास योजना में 7106 परिवारों की प्रतीक्षा सूची तैयार

रुद्रप्रयाग। प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के तहत जिले में पात्र परिवारों को आवास का लाभ देने की प्रक्रिया आगे बढ़ गई है। केंद्र सरकार के आवास प्लस ऐप–2024 के माध्यम से जिले में 10,219 परिवारों का ऑनलाइन सत्यापन पूरा किया गया। सत्यापन के बाद 7,106 पात्र परिवारों की प्रतीक्षा सूची तैयार की गई है।

जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने सोमवार को योजना की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी पात्र परिवार आवास जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित न रहे। मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ने बताया कि जिले के तीनों ब्लॉकों की 329 ग्राम पंचायतों में खुली बैठकें कर पात्र परिवारों की प्रतीक्षा सूची के अनुमोदन की प्रक्रिया पूरी की गई।

भूख हड़ताल पर बैठे छात्र

अगस्त्यमुनि। परीक्षा परिणामों में सुधार के लिए दिए गए 10 दिन के आश्वासन के बाद भी मांग पूरी न होने पर एबीवीपी और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने महाविद्यालय परिसर में श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विवि के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कई छात्रों के परिणाम ठीक नहीं किए गए हैं। मांग पूरी करने की मांग के लिए तीन छात्र अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए।

भूख हड़ताल पर बैठे एबीवीपी के लक्की राणा, लोकेश बिष्ट व एनएसयूआई के उज्जवल मैठाणी ने कहा कि परीक्षा परिणामों में लंबे समय से चली आ रही गड़बड़ियों के कारण छात्र मानसिक परेशानी झेल रहे हैं। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आलोक जग्गी और उज्जवल मैठाणी ने कहा कि विवि को परिणाम सुधारने में इतना लंबा समय लग रहा है जिससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने जल्द सभी लंबित परिणामों में सुधार की मांग की। वहीं एबीवीपी के लक्की राणा ने परीक्षा परिणामों के साथ महाविद्यालय की लाइब्रेरी में पुस्तकों की कमी दूर करने और शिक्षकों के पदों पर जल्द नियुक्ति की मांग भी उठाई। इससे पहले पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष प्रियांशु मोहन भी इन्हीं मांगों को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे थे। इस दौरान एनएसयूआई के आर्यन डोभाल, सुनील मेहरा, अखिलेश बमोला, सक्षम नेगी तथा एबीवीपी के कृष रावत, रोहित नेगी और प्रियांशु अग्निहोत्री समेत कई कार्यकर्ताओं ने आंदोलन को समर्थन दिया। प्राचार्य प्रो. कैलाश चंद्र दुद्पुरी ने बताया कि विवि की ओर से कई छात्रों के परिणामों में सुधार किया जा चुका है जबकि अन्य छात्रों के परिणामों में सुधार की प्रक्रिया जारी है।

संक्षिप्त समाचार

66 दिन से नहीं मिला वेतन, आर्थिक संकट में बीआरपी–सीआरपी

कर्णप्रयाग। ब्लॉक रिसोर्स पर्सन (बीआरपी) और क्लस्टर रिसोर्स पर्सन (सीआरपी) आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। इन्हें 66 दिनों से वेतन नहीं मिला है। इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए थराली विधायक भूपाल राम टम्टा को ज्ञापन सौंपा। कर्मियों ने लंबित वेतन के तत्काल भुगतान और भविष्य में समग्र शिक्षा के माध्यम से सीधे वेतन देने की मांग की।

कर्मियों ने कहा कि उन्हें अक्सर दो से तीन माह तक वेतन का इंतजार करना पड़ता है। इसके बावजूद वे विद्यालयों में भ्रमण, निरीक्षण और शैक्षणिक सहयोग जैसे विभागीय कार्य कर रहे हैं। उनका आरोप है कि निर्धारित वेतन 40 हजार रुपये है लेकिन खाते में केवल 22 से 27 हजार रुपये ही आते हैं। शेष राशि किस मद में काटी जा रही है इसका स्पष्ट विवरण नहीं दिया जाता। कर्मियों ने वेतन स्लिप में भी पारदर्शिता की मांग की। अंकिता, शिवानी, सुभाष, हिमांशु, राहुल, अनूप आदि ने सरकार से वेतन सीधे समग्र शिक्षा के माध्यम से जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे भुगतान प्रक्रिया पारदर्शी होगी और वेतन में देरी व कटौती संबंधी शिकायतों का समाधान हो सकेगा। कर्मियों ने चेतावनी दी है कि समस्या का समाधान न होने पर प्रदेशभर में आंदोलन किया जाएगा। विधायक भूपाल राम टम्टा ने बताया कि कर्मियों उचित निस्तारण का आश्वासन दिया गया है।

पारंपरिक परिधानों से बिखेरे रंग

रुद्रप्रयाग। गडोरा गांव में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव व सांस्कृतिक उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में गांव की महिलाओं, बालिकाओं और युवतियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण मिसेज गडोरा प्रतियोगिता रही। आयोजन में गांव की महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में आत्मविश्वास के साथ प्रतिभाग किया। विभिन्न चरणों में हुई प्रतियोगिता के बाद वंदना रावत ने मिसेज गडोरा का खिताब अपने नाम किया। अल्पना कुंवर फर्स्ट रनर–अप व काजल सेकंड रनर–अप रहीं। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अंजू बिष्ट और अमिता कप्रवान ने निभाई।

डॉ. ममता कुंवर की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड के पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने लोकगीत, लोकनृत्य और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर नंदा राजजात यात्रा की भावपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर किया। कलाकारों ने नंदा देवी की विदाई और पहाड़ की आस्था को मंच पर जीवंत कर दिया। डॉ. ममता कुंवर ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य धार्मिक उत्सव के साथ गांव की महिलाओं और नई पीढ़ी को अपनी लोकसंस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना है। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान गडोरा राजेश कुंवर, ग्राम प्रधान यशवंत रावत, मनीष नेगी, सुभाष कुंवर, पुष्कर बिष्ट, विनीता कुंवर, सुशीला कुंवर, कमली देवी, राजेश्वरी रावत, बीना कुंवर आदि मौजूद रहे।

कालीमठ मंदिर के विस्तार, सौंदर्यीकरण की उठी मांग

गुप्तकाशी। सिद्धपीठ कालीमठ की मां काली इन दिनों द्वितीय चरण की देवयात्रा पर केदारनाथ के लिए निकली है। वहीं अगले वर्ष तृतीय चरण में बदरीनाथ यात्रा के बाद वर्ष 2028 में कालीमठ मंदिर में अयुत महायज्ञ का आयोजन प्रस्तावित है। ऐसे में महायज्ञ में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए कालीमठ मंदिर परिसर के विस्तार, घाट निर्माण और सौंदर्यीकरण की मांग के लिए बीकेटीसी और पर्यटन विभाग को पत्र भेजा है।

कालीमठ पंचगाई समिति के अध्यक्ष लखपत सिंह राणा, उपाध्यक्ष सुदर्शन राणा और महासचिव आचार्य सुरेशानंद गौड़ ने बताया कि कालीमठ मंदिर बीकेटीसी के अधीन है। वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा में मंदिर परिसर को भारी नुकसान पहुंचा था। इसके बाद भारत–तिब्बत सीमा पुलिस ने सुरक्षा दीवार का निर्माण कराया लेकिन मंदिर समिति की ओर से परिसर के विकास पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। समिति ने मंदिर परिसर के विस्तार और सुरक्षा कार्यों के लिए बदरी–केदार मंदिर समिति और पर्यटन विभाग को पत्र भेजा है। समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि महायज्ञ के दौरान अधिक संख्या में श्रद्धालु आएंगे इसलिए सुविधाओं का विस्तार समय रहते जरूरी है।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 से सम्मानित डॉ. मनीषा निगम

शिक्षक दिवस पर राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के बायोकेमिस्ट्री विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनीषा निगम को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 से सम्मानित किया गया। शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर 2026 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति ने डॉ. मनीषा को यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया।

इस राष्ट्रीय सम्मान से एक दिन पूर्व, 4 सितंबर 2026 को डॉ. मनीषा को प्रधानमंत्री आवास पर भारत के प्रधानमंत्री के साथ विशेष संवाद का विशिष्ट अवसर भी प्राप्त हुआ। उच्च शिक्षा श्रेणी के कुल 21 पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में से केवल दो शिक्षकों को इस विशेष संवाद के लिए चुना गया था, जिनमें डॉ. मनीषा भी शामिल थीं। प्रधानमंत्री के साथ संवाद के दौरान डॉ. मनीषा की शैक्षणिक यात्रा, शिक्षण-पद्धतियों, शोध कार्य एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनकी अकादमिक गतिविधियों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने उनके शिक्षण एवं शोध कार्यों में विशेष रुचि लेते हुए उनके अनुभवों के बारे में जानकारी प्राप्त की। डॉ. मनीषा ने इस अवसर पर अपने शिक्षण अनुभवों तथा वर्तमान शोध कार्यों और उच्च शिक्षा में अपने योगदान को साझा किया। 5 सितंबर, शिक्षक दिवस पर डॉ. मनीषा को राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया जाना उनके अकादमिक एवं व्यावसायिक जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज हुआ। यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उनके समर्पण, उत्कृष्ट शिक्षण, शोध के प्रति प्रतिबद्धता तथा उच्च शिक्षा में उनके उल्लेखनीय योगदान की राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने डॉ. मनीषा को इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि डॉ. मनीषा की यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत गौरव का विषय है और यह उनके शिक्षण के प्रति समर्पण, शोध के प्रति प्रतिबद्धता तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान को प्रतिबिंबित करती है। प्रधानमंत्री के साथ विशेष संवाद के लिए चयनित होना और उसके अगले ही दिन राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित होना डॉ. मनीषा की अकादमिक यात्रा को विशेष रूप से गौरवपूर्ण बनाता है।

भाजपा ने कांग्रेस पर भ्रम फैलाने का लगाया आरोप

गोपेश्वर। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा, चमोली की ओर से नगर के बस अड्डे पर समरसता, समानता, सम्मान और सामाजिक सौहार्द संकल्प को लेकर प्रदर्शन किया गया। मोर्चा के जिलाध्यक्ष नरेंद्र भारती ने कांग्रेस पर हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यक्रम स्थल के शुद्धिकरण को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के किसी कार्यकर्ता ने इस तरह का आयोजन नहीं किया।

जिला मंत्री बीरेंद्र टम्टा ने कहा कि भाजपा सरकार ने पंचायतों और निकायों में अनुसूचित जाति के लोगों को अधिकतम आरक्षण की व्यवस्था दी है। वहीं थराली विधायक भूपाल राम टम्टा ने कांग्रेस पर बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के अपमान का आरोप लगाया।

प्रदेश में मदरसों की वास्तविक संख्या पर उठ रहे हैं सवाल

हल्द्वानी। उत्तराखंड में मदरसा शिक्षा व्यवस्था बदलने के साथ अब सबसे बड़ा सवाल मदरसों की वास्तविक संख्या को लेकर खड़ा हो गया है। मदरसा बोर्ड ने 452 मदरसों की सूची जारी की थी, जबकि शिक्षा विभाग के रिकॉर्ड में इतने मदरसे नहीं हैं। विभाग को केवल उन मदरसों की जानकारी है, जिसे मिड डे मील दिया जा रहा था।

उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद ने राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण को मदरसों की जो सूची दी। उसमें हरिद्वार जिले में तहतानिया, फौकानियां, मुंशी–मौलवी एवं आलिम, अरबी–फारसी की मान्यता प्राप्त मदरसों की संख्या 270 दिखाई गई, लेकिन शिक्षा विभाग का कहना है कि इस जिले में मिड डे मील केवल 131 मदरसों को दिया जा रहा था। अन्य मदरसों का विभाग के पास रिकॉर्ड नहीं है।

यही हाल कुछ अन्य जिलों का है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर बाकी मदरसे कहां गए ? क्या मदरसे बंद हो चुके हैं ? या फिर सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज मदरसों की वास्तविक स्थिति कभी जमीन पर जांची ही नहीं गई ? हालांकि विभागीय मंत्री खजानदास का कहना है कि कुछ मदरसे एक कमरे में चल रहे थे। जो अब बंद हो चुके हैं।

सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों को समय से निपटाएं

गोपेश्वर। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा में उसके निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान के बाद शिकायतकर्ता को भी इसकी जानकारी दी जाए ताकि उसे अपनी शिकायत के निस्तारण की स्थिति पता चल सके। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने 36 दिन से अधिक समय से लंबित छह शिकायतों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने प्रत्येक प्रकरण में अब तक की गई कार्रवाई और वर्तमान स्थिति की जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली। डीएम ने कहा कि लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए और किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की नियमित समीक्षा करते हुए स्वयं निगरानी रखें।

संबद्धता के लिए विधि महाविद्यालय गोपेश्वर का निरीक्षण

गोपेश्वर। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के निर्देश पर एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि श्रीनगर की ओर से गठित निरीक्षण समिति ने राजकीय विधि महाविद्यालय गोपेश्वर का निरीक्षण किया। समिति ने महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं भौतिक व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ ही संबंधित दस्तावेजों की भी जांच की। प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली की ओर से एक न्यायिक मामले में की गई टिप्पणियों के बाद देशभर की विधि शिक्षण संस्थाओं के निरीक्षण के निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही संबद्धता के लिए भी निरीक्षण किया गया है। इसी क्रम में राजकीय विधि महाविद्यालय गोपेश्वर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण समिति में संयोजक पौड़ी के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर जीपी बडोनी, सदस्य विधि विभाग परिसर पौड़ी के डॉ. सुधीर कुमार चतुर्वेदी तथा विधि विशेषज्ञ व आरयूईएस के सेवानिवृत्त अधिशासी अभियंता केबी थपलियाल शामिल रहे। समिति ने महाविद्यालय की भूमि एवं भवन, कक्ष–कक्षाओं, पुस्तकालय, मूट कोर्ट (काल्पनिक अदालत), लीगल एड, कंप्यूटर सेंटर और कॉन्फ्रेंस हॉल का भौतिक सत्यापन किया। समिति ने शैक्षणिक गतिविधियों और शिक्षण व्यवस्थाओं की जानकारी लेने के साथ ही आवश्यक दस्तावेज भी लिए। इस दौरान एलएलबी प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं से संवाद कर महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर उनका फीडबैक लिया गया।

मुख्यमंत्री ने किया 'मुख्यमंत्री युवा भविष्य निर्माण योजना' का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में 'मुख्यमंत्री युवा भविष्य निर्माण योजना' का शुभारंभ किया। योजना के माध्यम से प्रदेश के राजकीय एवं शासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों तथा राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत पात्र छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना के प्रथम चरण में 11 हजार छात्र-छात्राओं को निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए मेहनत के साथ सही दिशा, बेहतर रणनीति, अच्छे शिक्षकों का मार्गदर्शन और नियमित अभ्यास भी आवश्यक है। विशेष रूप से पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों में अनेक प्रतिभाशाली युवा आर्थिक परिस्थितियों, उचित मार्गदर्शन और संसाधनों की कमी के कारण अच्छे कोचिंग संस्थानों तक नहीं पहुंच पाते। राज्य सरकार ने तय किया है कि संसाधनों की कमी अथवा आर्थिक तंगी किसी भी प्रतिभाशाली युवा के सपनों की राह में बाधा नहीं बनेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा शक्ति है। राज्य का युवा मेहनती, प्रतिभाशाली और चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है। आवश्यकता उसकी प्रतिभा को सही दिशा, बेहतर मार्गदर्शन और आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराने की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून लागू किया है। बीते 5 वर्षों में 34 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां मिली हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल सरकारी नौकरियां उपलब्ध कराना नहीं है। सरकार चाहती है कि उत्तराखण्ड का युवा नौकरी मांगने वाला ही नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला भी बने। इसी दिशा में स्वरोजगार, स्टार्टअप, कौशल विकास, उद्यमिता और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रिवर्स पलायन बढ़ा है। आज अनेक युवा गांवों की ओर लौटकर व्यवसाय, कृषि–बागवानी, होमस्टे और स्थानीय उत्पादों से जुड़े उद्यमों के माध्यम से स्वरोजगार के साथ अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र भसीन, डॉ. जयपाल चौहान, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, सचिव उच्च शिक्षा डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम, सचिव संस्कृत शिक्षा दीपक कुमार, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, अपर सचिव उच्च शिक्षा मनुज गोयल, महानिदेशक शिक्षा श्रीमती आकांक्षा कोण्डे, अपर सचिव मनमोहन मैनाली एवं उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

ग्रामीणों ने जल संस्थान की लापरवाही पर उठाए सवाल

नैनीताल। नैनीताल जिले के ज्योलीकोट क्षेत्र में जलजनित बीमारी से एक किशोर और महिला की मौत के बाद आखिरकार प्रशासन हरकत में आया है। लगातार बिगड़ रहे हालात के बीच सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) ने क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर प्रभावित लोगों से बातचीत की। इस दौरान ग्रामीणों ने बीमारी के लिए जल संस्थान की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए दूषित पेयजल व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। ग्रामीणों ने अधिकारियों के असंवेदनशील रवैये की भी शिकायत की और कहा कि बीमारी फैलने की जानकारी देने के बावजूद समय रहते समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया। रविवार को ज्योलीकोट क्षेत्र में एक महिला और किशोर की मौत के बाद सोमवार को सीडीओ स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ क्षेत्र में पहुंचे। उन्होंने प्रभावित इलाकों का निरीक्षण करने के साथ ही ग्रामीणों से बीमारी और पेयजल व्यवस्था को लेकर जानकारी ली। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में बीमारी के मामले बढ़ने के बावजूद स्वास्थ्य और पेयजल व्यवस्था को लेकर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई गई। लोगों ने स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, स्वास्थ्य टीमों के गांव तक नहीं पहुंचने और अधिकारियों के कथित उदासीन रवैये की शिकायत की।

विद्यापीठ में चल रहा छात्रों का धरना समाप्त

गुप्तकाशी। स्व. गंगाधर मैठाणी राजकीय महाविद्यालय गुप्तकाशी में अंग्रेजी की प्राध्यापक के स्थानातंरण की मांगों को लेकर 31 अगस्त से चल रहा छात्रों का धरना समाप्त हो गया। केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन छात्र–छात्राओं को दिया। इसके बाद छात्रों ने आंदोलन समाप्त करने का निर्णय लिया। छात्रसंघ महासचिव आयुष बिष्ट ने बताया कि विधायक रविवार को धरना स्थल पर पहुंचीं और छात्रों से बातचीत की। उन्होंने छात्रों की मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

शासनादेश में देरी पर 15 सितंबर से करेंगे जनप्रतिनिधियों का घेराव

नई टिहरी। मेडिकल कॉलेज निर्माण का शासनादेश जारी न होने से आंदोलनरत संयुक्त संघर्ष समिति ने अब आंदोलन को अगले चरण में ले जाने का ऐलान किया है। समिति ने चेतावनी दी कि 15 सितंबर से जिले के दौरे पर आने वाले जनप्रतिनिधियों का घेराव किया जाएगा। सोमवार को बौराड़ी गणेश चौक पर आंदोलन के सातवें दिन भी क्रमिक अनशन और सत्याग्रह जारी रहा। मांग के समर्थन में कमल सिंह महर, विजयपाल सिंह चौहान और विजय सिंह बिष्ट क्रमिक अनशन पर बैठे। वहीं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जीतराम भट्ट, हरेंद्र सिंह तोपवाल, गंगाभगत सिंह नेगी, सरस्वती नेगी, लक्ष्मी गुनसोला, राजेश्वरी रमोला, धर्मा देवी और बलवीर सिंह तोपवाल ने सत्याग्रह किया। उन्होंने इसे लेकर सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। कहा कि टिहरी बांध प्रभावितों और विस्थापितों के हितों की भी लगातार अनदेखी की जा रही है। शासनादेश जारी करने में हो रही देरी से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अब आंदोलन को केवल धरना और अनशन तक सीमित नहीं रखा जाएगा। 15 सितंबर से जिले में आने वाले जनप्रतिनिधियों का घेराव कर सरकार तक मांग पहुंचाई जाएगी। इस मौके पर नागरिक मंच के संरक्षक चंडी प्रसाद डबराल, शिवराज सजवाण, डॉ. राकेश भूषण गोदियाल आदि मौजूद रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

उत्तराखण्ड के विकास का रास्ता इकोलॉजी और इकोनॉमी के संतुलन से होकर निकलेगा : धामी

हिमालय परिषद् में मूलभूत सुविधाओं और संसाधनों में वृद्धि के लिए 1 करोड़ की धनराशि की घोषणा मुख्यमंत्री की घोषणा हर वर्ष प्रदान किया जाएगा हिमालय विभूति सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून में हिमालय दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 'हिमालयो नाम नगाधिराजः' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर हिमालय परिषद् में मूलभूत सुविधाओं और संसाधनों में वृद्धि के लिए 1 करोड़ की धनराशि देने की घोषणा की। उन्होंने यह भी घोषणा की कि हिमालय के संरक्षण, संवर्धन एवं सतत विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं हिमालयी क्षेत्रों के लिए समर्पित विशिष्ट व्यक्तित्वों को 'हिमालय विभूति सम्मान' प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान प्रत्येक वर्ष हिमालय दिवस के अवसर पर प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित पांच पोस्टरों का विमोचन किया। इनमें 7वें देहरादून इंटरनेशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी फेस्टिवल, साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रीमियर लीग, सीमांत बाल विज्ञान कांग्रेस, ज्ञानोत्कर्ष तथा 21वीं उत्तराखण्ड राज्य साइंस कॉन्फ्रेंस के पोस्टर शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने विज्ञान के लोकप्रियकरण पर केंद्रित पत्रिका 'विज्ञान संप्रेषण' के पांचवें वार्षिकांक का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय हमारे लिए केवल एक पर्वत श्रृंखला नहीं, बल्कि हमारी पहचान, संस्कृति और अस्तित्व का आधार है। आदि काल से हिमालय हमारे ऋषियों, मुनियों, साधकों और विचारकों की तपोभूमि रही है। गंगा और यमुना सहित अनेक जीवनदायिनी नदियों का उद्गम हिमालय से होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग आज पूरी दुनिया के सामने बड़ी चुनौती हैं और इनका प्रभाव हिमालयी क्षेत्रों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। ग्लेशियरों पर बढ़ता दबाव, पारंपरिक जल स्रोतों पर संकट तथा अतिवृष्टि, भूस्खलन, वनाग्नि और अचानक आने वाली बाढ़ जैसी घटनाएं लगातार नई चुनौतियां खड़ी कर रही हैं। हिमालय की संवेदनशीलता का सम्मान करते हुए विकास कार्यों में विज्ञान, तकनीक, सुरक्षा और प्रकृति के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में सड़क, बिजली, अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और रोजगार की आवश्यकता है, लेकिन उत्तराखण्ड के विकास का मॉडल राज्य की अपनी भौगोलिक परिस्थितियों और आवश्यकताओं के अनुरूप होना चाहिए। उत्तराखण्ड के विकास का रास्ता इकोलॉजी और इकोनॉमी के संतुलन से होकर ही निकलेगा। हमें ऐसा विकास चाहिए जिसमें सड़क भी बने और जंगल भी बचें, रोजगार भी बढ़े और नदियां भी निर्मल रहें, पर्यटन भी बढ़े और पहाड़ों की धारण क्षमता का भी ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर विधायक किशोर उपाध्याय, हेस्को के संस्थापक एवं पद्म भूषण से सम्मानित डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. तृप्ता ठाकुर, महानिदेशक यू-कॉस्ट प्रो. दुर्गेश पंत, रजिस्ट्रार वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय डॉ. राजेश उपाध्याय, संयुक्त निदेशक यू कॉस्ट डी.पी. उनियाल एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

हिमालय संरक्षण के लिए जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हिमालय संरक्षण के लिए जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से 2 सितंबर के बुग्याल दिवस से 9 सितंबर के हिमालय दिवस तक पूरे सप्ताह को 'हिमालय दिवस सप्ताह' के रूप में मनाने की शुरुआत की गई है। हिमालय संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रमों और सेमिनारों तक सीमित न रहकर जन-जन का आंदोलन बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि बुग्याल हमारी जैव विविधता और जल स्रोतों के महत्वपूर्ण आधार हैं, जंगल हमारी हवा, पानी और मिट्टी के रक्षक हैं तथा नदियां हमारी सभ्यता की जीवनधारा हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय संरक्षण को पहाड़ की समृद्धि से भी जोड़ना होगा।

महिला ने लगाए धमकी के गंभीर आरोप

देहरादून। राजधानी देहरादून में देर रात एक पेट्रोल पंप पर वाहन में टक्कर के बाद हुए विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने से मामला चर्चा में है। घटना में एक महिला ने दूसरे वाहन में सवार लोगों पर गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी और उसके साथ अभद्र व्यवहार करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला की ओर से घटना से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए जाने के बाद मामले में कार्रवाई की मांग उठ रही है। बताया जा रहा है कि एक दंपती अपनी कार में पेट्रोल भरवाने के लिए देहरादून स्थित जियो पेट्रोल पंप पर रुका था। इसी दौरान पीछे से आई महिंद्रा थार ने उनकी कार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। महिला के अनुसार, उसके पति ने कार से उतरकर दूसरे वाहन में सवार लोगों से टक्कर के संबंध में जानकारी मांगी। आरोप है कि इस दौरान विवाद बढ़ गया और दूसरे पक्ष की ओर से कथित तौर पर धमकी दी गई। महिला का कहना है कि जब वह भी मौके पर पहुंची तो उसके साथ भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया और गंभीर धमकियां दी गईं। घटना के बाद महिला ने घर पहुंचकर कथित घटना से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए। वीडियो में विवाद और कथित धमकियों को लेकर महिला ने प्रशासन और पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस जांच के बाद सामने आएगा पूरा सच

घटना को लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। हालांकि, वायरल वीडियो अथवा किसी पक्ष के आरोपों को अंतिम तथ्य मानने के बजाय पूरे मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

सात व्यायाम शिक्षकों ने पास की रेफरी परीक्षा

रुद्रप्रयाग। जिले के सात व्यायाम शिक्षकों ने राष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी रेफरी की पात्रता हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। अमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से 24 जून को हरिद्वार में आयोजित राष्ट्रीय कबड्डी रेफरी परीक्षा में विभिन्न राज्यों के करीब 80 से 82 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया था। इनमें 72 अभ्यर्थी सफल रहे।

जिले से मीना बिष्ट, रीना बागड़ी, शिखा, योगंबर सिंह, नवेंदु मोहन सिंह रावत, शिव सिंह और अमित प्रकाश ने परीक्षा पास की है। इनमें रीना बागड़ी ने कबड्डी के साथ ही खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय रेफरी परीक्षा भी पास की है। फेडरेशन के जिला सचिव अंकित रौथाण ने बताया कि चयनित रेफरी फेडरेशन से जुड़े कबड्डी मुकाबलों में जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर रेफरी की भूमिका निभा सकेंगे।

बिधौली में हुड़दंग और मारपीट, सात युवक गिरफ्तार

देहरादून। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के बिधौली में सार्वजनिक स्थान पर दो पक्षों के बीच विवाद के बाद मारपीट और हुड़दंग करने के आरोप में पुलिस ने सात युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सभी युवक निजी शिक्षण संस्थान के छात्र बताए गए हैं।

6 सितंबर को बिधौली क्षेत्र में विवाद और मारपीट की सूचना पर प्रेमनगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि युवक दोबारा मारपीट पर उतारू हो गए। इससे सार्वजनिक स्थान पर शांति व्यवस्था बिगड़ने और राहगीरों के चोटिल होने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की।

पुलिस ने सातों युवकों को धारा 170/126/135 इठरर के तहत गिरफ्तार किया। साथ ही संबंधित शिक्षण संस्थान को रिपोर्ट भेजकर छात्रों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई और निष्कासन की संस्तुति की गई है।

गिरफ्तार युवकों में आर्यन पाटनी (21), अभय कोहली (21), नैथन (21), कृष उपाध्याय (20), युग नागर (21), अर्पित तोमर (19) और कवि अत्री (20) शामिल हैं। सभी युवक कंडोली/ प्रेमनगर क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में चौकी प्रभारी बिधौली उपनिरीक्षक जैनेंद्र सिंह राणा, कांस्टेबल जसबीर कंडारी, श्रीकांत मलिक और जगजोत शामिल रहे।

दून पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंग और कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का संदेश दिया है।

एक नजर

5 अक्तूबर को सचिवालय घेरेंगे मिनिस्टीरियल कर्मचारी

ऋषिकेश। उत्तरांचल फेडरेशन ऑफ मिनिस्टीरियल सर्विसेज एसोसिएशन उत्तराखंड के प्रांतीय आह्वान पर ऋषिकेश शाखा में चरणबद्ध आंदोलन के तहत विभागीय गेट मीटिंग कार्यक्रम किया गया। पहले दिन सिंचाई विभाग और पशुपालन विभाग, पशुलोक में आयोजित हुई जिसमें मिनिस्टीरियल फेडरेशन के कार्मिकों ने भागीदारी की। गढ़वाल मंडलीय महामंत्री अभिषेक नवानी ने कहा कि 7 से 19 सितंबर तक ऋषिकेश सहित प्रदेश के प्रत्येक जिले और ब्लॉक में विभागीय गेट मीटिंग की जाएंगी। इसके बाद 20 से 24 सितंबर तक कैबिनेट मंत्रियों को ज्ञापन सौंपकर फेडरेशन की लंबित 12 सूत्रीय मांगों के निस्तारण की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि 25 सितंबर को जिला स्तर पर प्रत्येक तहसील में सामूहिक एक दिवसीय कार्य बहिष्कार किया जाएगा। इसके बाद भी सरकार की ओर से निर्णय नहीं लिया गया तो 5 अक्टूबर को प्रदेशभर के मिनिस्टीरियल कर्मचारी परेड ग्राउंड से सचिवालय घेराव के लिए कूच करेंगे इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष राजेंद्र सिंह पंवार, किरण पाल,एसपी घिल्डियाल, लक्ष्मण प्रसाद, रमेश भट्ट, सोबन सिंह पुंडीर, राजेंद्र भंडारी, नेहा, राकेश लाल, निशा, अमन नौटियाल, प्रकाश सिंह रावत आदि उपस्थित रहे।

पिता सीएचसी में वाहन चालक, बेटा बना सेना में अफसर

डोईवाला। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में वाहन चालक के पद पर कार्यरत प्यार सिंह रावत के पुत्र सौरभ रावत ने ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी गया (बिहार) में प्रशिक्षण पूरा कर पासिंग आउट परेड सफलतापूर्वक पास की और लेफ्टिनेंट बनकर डोईवाला के साथ अपने परिवार का नाम रोशन किया है। डोईवाला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सोमवार को अस्पताल स्टॉफ ने लेफ्टिनेंट बने सौरभ रावत का जोरदार स्वागत किया। बता दें कि सौरभ ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा कक्षा पांच तक डोईवाला के रेनेसां द्रोण स्कूल और 12वीं तक की शिक्षा जवाहर नवोदय विषलय शंकरपुर देहरादून से पूरी करने के बाद पंतनगर यूनिवर्सिटी से बीटेक सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। सेना में अधिकारी बनने के लक्ष्य की दिशा में कदम बढ़ाते हुए उन्होंने टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स के माध्यम से सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया। बचपन से ही देश सेवा का जुनून रखने वाले सौरभ ने कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर सपने को साकार किया। ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी गया में प्रशिक्षण पूरा करने बाद पासिंग आउट परेड में शामिल होकर सैन्य अधिकारी के रूप में नई जिम्मेदारी संभाली।

अनियंत्रित हुई कार ने दुकान का गेट तोड़ा

श्यामपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग पर चल रही एक कार खैरीखुर्द में अनियंत्रित हो गई। अनियंत्रित कार बाउंड्रीवाल को तोड़ती हुई एक दुकान में घुस गई जिससे दुकान क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गेट के सामने लगा करीब आठ फीट ऊंचा पेड़ भी जड़ से उखड़ गया। वहीं, गेट से सटा चाय का खोखा भी क्षतिग्रस्त हो गया।

भारी बारिश के बीच कांग्रेस का मुख्यमंत्री आवास कूच

देहरादून। हल्द्वानी में शुद्धिकरण को लेकर हुए विवाद और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दर्जाकफ वापस लेने की मांग को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को देहरादून में मुख्यमंत्री आवास कूच किया। भारी बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक सड़कों पर उतरे।

कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर दलित विरोधी और जनविरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि हल्द्वानी की घटना को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में आक्रोश है और राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज मुकदमा तत्काल वापस लिया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री आवास कूच में प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष एवं चकराता विधायक प्रीतम सिंह, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत, सह-प्रभारी मनोज यादव और सुरेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि बारिश भी कार्यकर्ताओं के उत्साह को नहीं रोक सकी। प्रदर्शन

के दौरान कांग्रेस ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है। नेताओं ने दावा किया कि सड़क पर उमड़ा जनसमर्थन भाजपा सरकार के प्रति बढ़ते जनआक्रोश का संकेत है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अब अन्याय नहीं, न्याय चाहिए; अहंकार नहीं, जनसेवा चाहिए। साथ ही उन्होंने सरकार से हल्द्वानी प्रकरण में दर्जाकफ वापस लेने की मांग दोहराई।

गुलदार ने महिला पर किया हमला, घायल

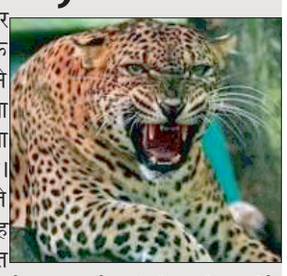

यमकेश्वर। विकासखंड यमकेश्वर के बडोली बड़ी गांव में गुलदार ने एक महिला पर हमला कर दिया। गुलदार ने यह स्कूल के निकट किया। महिला अपने खेत में पशु चरा रही थी। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। सोमवार शाम करीब 5:30 बजे अनिता देवी (45) पत्नी जयमल सिंह निवासी बडोली बड़ी गांव स्थित बडोली प्राथमिक स्कूल के निकट खेत में गाय चराने गई थी। तभी झाड़ियों में घात लगाए बैठे गुलदार ने अचानक उन पर पीछे से हमला कर दिया। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण मौके की ओर से दौड़ पड़े। हो हल्ला कर गुलदार को भगाया गया । हमले में महिला की पीठ पर गुलदार के नाखूनों के गहरे निशान हैं। ग्रामीणों की मदद से उन्हें तुरंत सीएचसी यमकेश्वर पहुंचाया गया। जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना के बाद से गांव में भय का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में एक से डेढ़ महीने से गुलदार की चहलकदमी देखी जा रही है, एक साथ तीन से चार गुलदार दिखाई दे रहे हैं, शिकायत के बावजूद लैंसडौन वन प्रभाग कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा है।

प्रदेश में लंपी रोग की दस्तक, 21 सैंपल पॉजिटिव

देहरादून। उत्तराखंड में लंपी त्वचा रोग ने दस्तक दे दी है, जिससे राज्य का पशुपालन विभाग अलर्ट पर है। जांच के लिए भेजे गए नमूनों में से 21 पॉजिटिव पाए गए हैं। लंपी से नैनीताल जिले में एक बछड़े की मौत हो चुकी है।

पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. उदय शंकर के मुताबिक राज्य के छह जिलों देहरादून, नैनीताल, पौड़ी, ऊधमसिंह नगर, हरिद्वार, रुद्रप्रयाग और टिहरी जिले में अब तक 635 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। इनमें से 269 नमूने जांच के लिए बरेली भेजे गए थे। विभाग को अब तक 55 नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई है।

प्राप्त रिपोर्टों में 21 नमूने पॉजिटिव पाए गए हैं, जबकि अन्य की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। रोग के प्रसार को देखते हुए विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। विभाग के निदेशक के मुताबिक रोग से बचाव के लिए विभाग ने सभी संबंधित जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पशुओं को इससे बचाने के लिए टीकाकरण और साफ-सफाई पर जोर दिया जा रहा है।

अतिक्रमण पर प्रशासन का बड़ा एक्शन

विकासनगर। विकासनगर बाजार में अवैध एवं अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने अभियान शुरू कर दिया है। सोमवार को हेरिटेज डीएस के पास से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। मौके पर प्रशासनिक अमला, पुलिस और राष्ट्रीय राजमार्ग खंड की टीम मौजूद रही।

अभियान के दौरान ठल्ल-507 और फुटपाथ पर किए गए अस्थायी अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन की कार्रवाई शुरू होते ही बाजार में हलचल बढ़ गई। अतिक्रमण हटाने को लेकर स्थानीय लोगों ने भी अपनी प्रतिक्रियाएं दीं और कार्रवाई को लेकर अलग-अलग बातें सामने रखीं।

प्रशासन का फोकस सड़क और फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त कर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने पर है। बाबूगढ़ क्षेत्र में भी कार्रवाई के दौरान लोगों ने अपनी बात रखी और

प्रशासन के अभियान को लेकर प्रतिक्रिया दी।

अतिक्रमण हटाने का अभियान फिलहाल जारी है। आने वाले समय में बाजार के अन्य हिस्सों में भी कार्रवाई होने की संभावना है। दून वैली टाइम्स की टीम इस अभियान से जुड़ी हर महत्वपूर्ण अपडेट आप तक पहुंचाएगी।

यूजीसी के खिलाफ सेलाकुई में सवर्ण समाज की रैली

सेलाकुई। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (वॅउ) के प्रावधानों के विरोध में रविवार को सेलाकुई में सवर्ण समाज के लोगों ने रैली निकालकर अपना विरोध दर्ज कराया। रैली शिव मंदिर से शुरू होकर पेट्रोल पंप, मुख्य बाजार होते हुए खाटू श्याम धाम पहुंची। इसके बाद प्रदर्शनकारी वापस शिव मंदिर पहुंचे, जहां रैली का समापन हुआ। रैली में बड़ी संख्या में शामिल लोगों ने ह्यूजीसी गो बैकह्व के नारे लगाते हुए यूजीसी के प्रावधानों को वापस लेने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि प्रस्तावित प्रावधानों को लेकर समाज में असंतोष है और सरकार व संबंधित संस्थाओं को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। इस दौरान दीपक कंडारी ने कहा कि सवर्ण समाज के साथ विभिन्न क्षेत्रों में लगातार भेदभाव और शोषण किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूजीसी के नए प्रावधानों में कॉलेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के संबंध में एससी-एसटी के साथ ओबीसी वर्ग को भी शामिल किया गया है, जिसका वे

विरोध करते हैं। प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी से संबंधित प्रावधानों को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर समाज की भावनाओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। रैली के दौरान सैकड़ों लोगों की मौजूदगी रही।

गड्ढों ने ली अनिकेत की जान, हादसे के बाद जागा एनएचएआई

रायवाला। मोतीचूर से लालतप्पड़ के बीच हाईवे पर बने सैकड़ों गड्ढे हादसों को न्योता दे रहे हैं। छिद्दरवाला में हाईवे के गड्ढे के कारण स्कूटी अनियंत्रित होने से अनिकेत डंपर के पिछले पहिए के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद एनएचएआई देहरादून की ओर से आनन-फानन में गड्ढे भरने का काम शुरू कर दिया गया। हादसे का कारण बने गड्ढे को भी भर दिया गया है। बताया गया कि अनिकेत स्कूटी पर अपनी मां के साथ जा रहा था। छिद्दरवाला के पास गड्ढे में स्कूटी का संतुलन बिगड़ गया। उसकी मां छिटककर सड़क के दूसरी ओर जा गिरी, जबकि अनिकेत डंपर के पिछले पहिए के नीचे आ गया। हादसा इतना भीषण था कि अनिकेत के हेलमेट के दो हिस्से हो गए। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक मोतीचूर से लालतप्पड़ तक हाईवे पर जगह-जगह सैकड़ों गड्ढे हैं, जो खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए खतरा बने हुए हैं। लोगों का आरोप है कि एनएचएआई की लापरवाही के कारण समय रहते गड्ढों की मरम्मत नहीं की गई। वर्तमान में छिद्दरवाला में हाईवे विस्तारीकरण का काम चल रहा है। इसके चलते यातायात को सर्विस रोड पर डायवर्ट किया गया है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि गड्ढे भरने में कंपनी की ओर से रेत का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे स्थायी समाधान पर सवाल उठ रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में मुस्लिम आबादी और मस्जिदें बढ़ीं, फिर भी 9/11 की छाया क्यों नहीं हुई खत्म

अल्बानी, एजेंसी। अमेरिका अगले हफ्ते 9/11 हमले की 25वीं बरसी मनाएगा। इस लंबी अवधि ने बहुत कुछ बदल दिया है। लेकिन आज भी अमेरिकी समाज में मुस्लिमों की छवि नहीं बदल पाई है। प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वे के मुताबिक, 51% अमेरिकी अब भी मुस्लिमों को संदेह की नजर से ही देखते हैं। अमेरिका में मुस्लिम आबादी, मस्जिदों की संख्या बढ़ी है और राजनीतिक स्तर पर भी समुदाय की सक्रियता बढ़ी है। लेकिन हिंसक समुदाय होने की उसकी छवि जस की तस बनी है। प्यू रिसर्च सेंटर अमेरिका में मुस्लिमों की स्थिति, अमेरिकियों की सोच और खुद मुस्लिमों की राय पर समय-समय पर सर्वे करता रहा है। इस साल के सर्वे में 43% अमेरिकी वयस्कों ने माना कि मुसलमान अन्य नागरिकों की तुलना में कम देशप्रेमी हैं, जबकि 42% का मानना था कि अमेरिकी मुसलमानों का देश पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इसके पीछे 9/11 का खौफ साफ झलकता है। एफबीआई के मुताबिक, 2001 में मुस्लिमों के खिलाफ घृणा अपराध मामले 481 तक पहुंच गए थे, जो 2000 में मात्र 28 थे। तबसे इनमें उतार-चढ़ाव आता रहा है (2021 में 95 थे और 2016 में 307) लेकिन आंकड़ा 9/11 से पूर्व के स्तर पर नहीं लौट सका। डेमोक्रेट्स की तुलना में रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े लोग अधिकतर यह राय रखते हैं कि मुस्लिम धर्म को मानने वाले अधिक हिंसक होते हैं।

आसिम मुनीर की ताकत में इजाफा: मिली तीनों सेनाओं की कमान; बने पाकिस्तानी के पहले चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की संसद ने देश के इतिहास में पहली बार एक ही सैन्य अधिकारी को सेना, नौसेना और वायुसेना तीनों की कमान सौंपी है। इससे उन्हें अभूतपूर्व कानूनी ताकत मिली है। अगस्त के अंत में नेशनल असेंबली ने डिफेंस फोर्सेस ऑफ पाकिस्तान एक्ट, 2026 पारित कर चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस (सीडीएफ) का नया पद बनाया। नए कानून के तहत फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को देश का पहला सीडीएफ नियुक्त किया गया। वह अपने मौजूदा सेना प्रमुख के पद के साथ नई जिम्मेदारी को भी संभालेंगे। सीडीएफ के पद के साथ मुनीर पाकिस्तान में और ताकतवर बनकर उभरे हैं। 1976 के बाद से यह पाकिस्तानी सैन्य कमान में सबसे बड़ा ढांचागत बदलाव माना जा रहा है। इससे पहले 1976 में ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी का पद बनाया गया था, लेकिन उसके पास नौसेना या वायुसेना को संचालित करने की कोई औपचारिक कानूनी ताकत नहीं थी। पुराने पद का काम सिर्फ तीनों सेनाओं के बीच तालमेल बिठाना था और उसका नौसेना या वायुसेना पर कोई अधिकार नहीं था। इसके उलट सीडीएफ के पास तीनों सेनाओं पर कानूनी ऑपरेशनल कमांड है। यह सीधे सरकार को रिपोर्ट करेगा और इसके पास ऐसे फैसले लागू करने की शक्ति है जो पुराने पद के पास कभी नहीं थी। नए नियमों के अनुसार, परमाणु बलों की कमान का पद अब कानूनी रूप से केवल सेना के पास होगा।

अमेरिकी सेना बच्चों की हत्यारी, उनका झूठा गौरव तोड़ा': हमले के बाद ईरान ने यूएस को लताड़ा, दे डाली धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत में स्थित ईरान के दूतावास ने छह सितंबर, 2026 को एक्स अकाउंट पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी का बयान साझा किया। बयान के मुताबिक, आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने अमेरिकी सेना के एक विमानवाहक पोत और एक विध्वंसक पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। ईरान ने आरोप लगाया कि दोनों अमेरिकी युद्धपोत ईरानी जहाजों को परेशान कर रहे थे और ईरान की नौसैनिक नाकाबंदी में हिस्सा ले रहे थे। आईआरजीसी ने अपने बयान में अमेरिकी सेना को खूब सुनाया। उसने अमेरिकी सेना को आक्रामक और बच्चों की हत्या करने वाली अमेरिकी सेना बताया। ईरानी संगठन ने दावा किया कि मिसाइल हमले के बाद दोनों अमेरिकी युद्धपोतों को नुकसान पहुंचा और आगे के हमले के डर से उन्हें मुठभेड़ वाले इलाके से भागना पड़ा। बयान में अमेरिका की क्षेत्रीय सैन्य मौजूदगी को भी निशाना बनाया गया। ईरान ने अमेरिका को आक्रामक दुश्मन बताते हुए कहा कि वह कई वर्षों से क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को लेकर घमंड करता रहा है। आईआरजीसी के मुताबिक, अमेरिकी पक्ष को अब आधिकारिक रूप से यह स्वीकार करना पड़ा कि उसके दो नौसेना युद्धपोत हमले की चपेट में आए।

इस्राइल पर बरसे अमेरिकी राजदूत हकबी, सेटलर्स को आतंकवादी बताया; फलस्तीनी जनता पर रूख क्या

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल में अमेरिकी राजदूत माइक हकबी ने शनिवार को कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इस्राइली सेटलर्स की हिंसा की एक बार फिर कड़ी निंदा की। महीनों से हमलों का सामना कर रहे फलस्तीनी-अमेरिकी निवासियों से मुलाकात के दौरान उन्होंने सेटलर्स की इन गतिविधियों को 'आतंक का कृत्य' बताया। हकबी ने हिंसा में शामिल सेटलर्स के लिए 'आतंकवादी' शब्द का इस्तेमाल किया, जो अमेरिकी अधिकारी आमतौर पर फलस्तीनी उग्रवादियों के लिए करते हैं।

'यह सिर्फ अपराध नहीं, आतंक का कृत्य है' : तुर्मुस अय्या गांव के दौरे के दौरान हकबी ने कहा, 'अगर कोई घुसपैठिया आकर अपना झंडा लगाता है और ऐसी जमीन या संपत्ति पर कब्जा करता है, जो उसकी नहीं है, अगर वह कार जलाता है, मस्जिद में आग लगाता है, किसी के घर में घुसकर तोड़फोड़ करता है या दीवारों पर आपत्तिजनक बातें लिखता है, तो यह आपराधिक कृत्य है। लेकिन यह सिर्फ अपराध तक सीमित नहीं है। यह आतंक का कृत्य है।' तुर्मुस अय्या गांव में पिछले एक साल के दौरान इस्राइली सेटलर्स की ओर से कई बार हमले किए जाने की खबरें सामने आई हैं।

7 अक्टूबर के बाद वेस्ट बैंक में बढ़ी हिंसा : संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के कार्यालय के मुताबिक, 7 अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इस्राइल पर हमास के नेतृत्व में हुए हमले के बाद गाजा में शुरू हुए युद्ध के दौरान वेस्ट बैंक में बसने वालों की हिंसा में भी तेजी आई है। हकबी ने पिछले महीने वेस्ट बैंक के कुसरा शहर में कई हफ्तों तक चली अशांति के बाद भी हिंसा में शामिल बसने वालों के लिए 'आतंकवादी' शब्द का इस्तेमाल किया था। उस दौरान बसने वालों ने कई घरों को घेर लिया था। इनमें एक फलस्तीनी-अमेरिकी परिवार का घर भी शामिल था।

'हकबी, आतंकवादियों की ओर से शुभकामनाएं' : कुसरा की घटना के कुछ दिन बाद वेस्ट बैंक के बाजर्रिया गांव के निवासियों ने आरोप लगाया था कि बसने वालों ने एक मस्जिद में आग लगा दी। इसके बाद मस्जिद की दीवार पर हिब्रू भाषा में एक संदेश लिखा गया- 'हकबी, आतंकवादियों की ओर से शुभकामनाएं।' शनिवार को जब हकबी से इस घटना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि उन्होंने इसे स्वीकार किया।' मुझे नहीं लगता कि उनका इरादा ऐसा करने का था, लेकिन मेरा मानना है कि वे एक बहुत छोटे अल्पसंख्यक वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं।' इससे एक सप्ताह पहले इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने 'मुट्ठी भर दंगाइयों' की हरकतों की निंदा की थी। इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने भी सेटलर्स की गतिविधियों को 'शर्मनाक' बताया था। हालांकि, नेतन्याहू की मौजूदा सरकार को इस्राइल के इतिहास की सबसे अधिक अति-राष्ट्रवादी और धार्मिक सरकार माना जाता है। उसके कार्यकाल में वेस्ट बैंक में इस्राइली बस्तियों के निर्माण में तेजी आई है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय का बड़ा हिस्सा इन बस्तियों को अवैध मानता है। शनिवार को तुर्मुस अय्या पहुंचे हकबी ने शुरुआत में स्पष्ट किया कि उनकी यात्रा का एक मकसद वेस्ट बैंक में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों से मिलना है। ये लोग वेस्ट बैंक में रहने वाले करीब 30 लाख फलिस्तीनियों की आबादी का एक छोटा हिस्सा हैं, लेकिन तुर्मुस अय्या की आबादी में उनका महत्वपूर्ण हिस्सा है। हकबी ने कहा, 'मुझे अच्छी तरह पता है कि तुर्मुस अय्या और इस इलाके के दूसरे समुदायों में रहने वाले बहुत से अमेरिकी लोग वैसी जिंदगी नहीं जी पा रहे हैं, जिसके वे हकदार हैं। वे शांतिपूर्ण जीवन नहीं जी पा रहे हैं।'ऐसे लोगों की वजह से उनकी जिंदगी प्रभावित हो रही है, जिन्होंने बड़ी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ये चुनौतियां अनुचित और गैर-कानूनी हैं।

अमेरिकी दूतावास नहीं कर सकता जांच : हकबी ने कहा कि अमेरिकी दूतावास आपराधिक गतिविधियों की जांच नहीं कर सकता। हालांकि, वह इस्राइली सरकार को यह स्पष्ट कर सकता है कि कुछ मामलों पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। कुछ जरूरतें हैं जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए, कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कुछ खास अपराध और आतंकी गतिविधियां ऐसी हैं, जो जारी नहीं रह सकतीं। संबंधित देश को उनकी जांच करनी चाहिए और कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। ऐसी कार्रवाई की उम्मीद करना हर व्यक्ति का अधिकार है।

10 फलस्तीनी-अमेरिकी निवासियों से मिले हकबी : नगरपालिका ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि हकबी ने करीब 10 फलस्तीनी-अमेरिकी निवासियों से मुलाकात की। इन लोगों ने उन्हें बताया कि बसने वालों की हिंसा ने उनकी जिंदगी और संपत्ति को किस तरह प्रभावित किया है। इस्राइल ने 1967 के मध्य-पूर्व युद्ध के दौरान वेस्ट बैंक के साथ-साथ गाजा और पूर्वी यरुशलम पर भी कब्जा कर लिया था। फलस्तीनी इन क्षेत्रों को अपने भविष्य के स्वतंत्र देश का हिस्सा बनाना चाहते हैं। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय का बड़ा हिस्सा इन क्षेत्रों को कब्जे वाले इलाके मानता है।

11 दिन बाद भी तबाही का कहर: चीन-नेपाल आर्थिक गलियारा तबाह; मलबे से जिंदा निकलीं बुजुर्ग महिला और चीनी नागरिक

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ और हिमस्खलन के 11 दिन बाद भी तबाही का मंजर जारी है। चीन-नेपाल के बीच जमीनी व्यापार का प्रमुख केंद्र ग्यिरोंग पोर्ट और उससे जुड़ी सीमा चौकी पूरी तरह तबाह हो चुकी है। लगातार सामने आ रहीं तस्वीरें इसकी भयावह स्थिति बयां कर रही हैं। चीन ने नेपाल में हुई इस तबाही से हुए नुकसान पर भले ही चुप्पी साध रखी हो, लेकिन इस आर्थिक गलियारे के ठप होने से नेपाल की अर्थव्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला पर असर साफ दिखने लगा है। भारत के जाने-माने भू-रणनीतिकार और अंतरराष्ट्रीय मामलों के विश्लेषक ब्रह्मा चेलानी का कहना है कि इस रास्ते होने वाला व्यापार पूरी तरह ठप होने से काठमांडो को अपनी आर्थिक जरूरतों के लिए भारत पर और अधिक निर्भर होना पड़ेगा। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत ट्रांस-हिमालय कनेक्टिविटी नेटवर्क में चीन ग्यिरोंग क्रॉसिंग को एक रणनीतिक केंद्र मानता है। ग्यिरोंग बंद होने से आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो गई है। इससे चीनी सामानों की कमी हो रही है और नेपाल के घरेलू बाजार में महंगाई का दबाव बढ़ रहा है। यहां दोनों देशों के बीच ट्रकों की आवाजाही, माल की चेकिंग, क्लियरेंस और स्टोरेज के लिए बड़े ड्राई पोर्ट और गोदाम बने थे।

लाखों टन मलबा साफ करने के बाद ही शुरू हो पाएगा मार्ग : तबाही के बाद व्यापारिक गतिविधियां पूरी तरह बहाल करने में अभी काफी समय लगेगा। भारी मालवाहक ट्रैफिक सुरक्षित रूप से फिर से शुरू होने से पहले इंजीनियरों को लाखों

टन मलबा साफ करना होगा, ऊंचे पहाड़ी रास्तों को स्थिर करना होगा, हिमस्खलन के कारण ऊपर की ओर बनी झीलों के खतरे को कम करना होगा और बह चुके पुलों का पुनर्निर्माण करना होगा। अब इसे कुदरत का करिश्मा कहें या चमत्कार, नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के 11वें दिन शनिवार को मलबे में दबे एक चार मंजिला मकान से एक बुजुर्ग महिला को जिंदा निकाला गया। परिजनों ने महिला के जीवित मिलने की उम्मीद छोड़ दी थी और उनका प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार भी कर दिया था। वहीं, बचाव दलों ने अपर त्रिशूली-1 जलविद्युत परियोजना से जुड़ी एक सुरंग से एक चीनी नागरिक को भी सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता हासिल की है। 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा पर आए हिमस्खलन के बाद भोटेकोशी नदी में आई इस विनाशकारी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। देश भर में मृतकों का आंकड़ा 1,344 तक पहुंच गया है, जबकि 589 विदेशी नागरिकों सहित लगभग 5,000 लोग अब भी लापता हैं, जिनमें भारत के भी 250 से अधिक नागरिक शामिल हैं।

अमेजन संस्थापक की पूर्व पत्नी की दरियादिली: अश्वेत कॉलेजों को अरबों का दान; मैकेंजी स्कॉट क्यों बनी मिसाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी मैकेंजी स्कॉट ने अमेरिका के ऐतिहासिक रूप से अश्वेत कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लिए दान के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। उनकी हालिया 4.2 करोड़ डॉलर की मदद के बाद इन संस्थानों को दिए उनके कुल दान का आंकड़ा एक अरब डॉलर से ज्यादा हो गया है। स्कॉट ने इस साल नॉर्थ कैरोलिना की एलिजाबेथ सिटी स्टेट यूनिवर्सिटी को 4.2 करोड़ डॉलर का दान दिया। यह रकम विश्वविद्यालय के फाउंडर्स डे के मौके पर दी गई। जेफ बेजोस से अलग होने के बाद स्कॉट की संपत्ति कैसे बढ़ी स्कॉट ने 2020 में अमेजन में अपनी करीब आधी हिस्सेदारी बेच दी थी। इसके बाद उन्होंने बड़े स्तर पर परोपकारी काम शुरू किया। वर्ष 2020 से अब तक वह शिक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक विकास, आपदा राहत और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले हजारों संगठनों के लिए करीब 26 अरब डॉलर देने की प्रतिबद्धता जता चुकी हैं। किन बड़े विश्वविद्यालयों को मिला स्कॉट का दान स्कॉट ने पिछले कुछ वर्षों में कई अश्वेत कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को बड़ी रकम दी है। नवंबर 2025 में उन्होंने हावर्ड यूनिवर्सिटी को 8 करोड़ डॉलर दिए थे। इसके अलावा मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी, प्रेयरी व्यू एएंडएम यूनिवर्सिटी, नॉरफोक स्टेट यूनिवर्सिटी, बोवी स्टेट यूनिवर्सिटी और वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी समेत कई संस्थानों को भी उन्होंने आर्थिक मदद दी है। स्कॉट के दान में अलबामा स्टेट यूनिवर्सिटी को 2025 में 3.8 करोड़ डॉलर, अल्कॉर्न स्टेट यूनिवर्सिटी को 4.2 करोड़ डॉलर और मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी को 2020 और 2025 में कुल 10.3 करोड़ डॉलर शामिल हैं। प्रेयरी व्यू एएंडएम यूनिवर्सिटी को 11.3 करोड़ डॉलर और नॉरफोक स्टेट यूनिवर्सिटी को 9 करोड़ डॉलर भी मिले हैं। स्कॉट के कई दान बिना किसी विशेष शर्त के दिए जाते हैं। इसका मतलब है कि विश्वविद्यालय अपनी जरूरत के हिसाब से रकम का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसका उपयोग छात्रवृत्ति, शिक्षकों की नियुक्ति, एंडोमेंट, कैंपस सुधार या अन्य प्राथमिकताओं के लिए किया जा सकता है।

अंडरवियर से मिट्टी की जांच: मच्छर की सूंड से बनाई नोजल; ऐसे शोध जिन्होंने हंसाया, फिर सोचने पर किया मजबूर

वाशिंगटन, एजेंसी। वैज्ञानिक अंतरिक्ष, बीमारियों और जलवायु पर शोध करते हैं, यह तो आम बात है। लेकिन क्या मिट्टी की सेहत जांचने के लिए अंडरवियर जमीन में दबाया जा सकता है क्या मूत्रालय में पड़ने वाले छींटों को भी विज्ञान की मदद से रोका जा सकता है और क्या चींटियां भी चुंबन करती हैं सुनने में ये सवाल भले ही मजाक जैसे लगें, लेकिन इनके जवाब तलाशने के पीछे बाकायदा वैज्ञानिक तर्क और गंभीर शोध छिपा है। ऐसे ही अनोखे और दिलचस्प शोधों को 2026 के इग नोबेल पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

शोध जो सोचने पर करते हैं मजबूर : स्प्रिंगर नेचर की रिपोर्ट के मुताबिक, स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में 3 सितंबर को आयोजित समारोह में ऐसे शोधों को सम्मानित किया गया, जो पहले हंसाते हैं और फिर लोगों को उनके पीछे छिपे वैज्ञानिक सवालों पर सोचने के लिए मजबूर करते हैं। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की मटिल्डा ब्रिंडल और उनके सहयोगियों को जैव-यांत्रिकी का पुरस्कार चुंबन की वैज्ञानिक परिभाषा तैयार करने के लिए मिला। वैज्ञानिकों के मुताबिक, चुंबन की परिभाषा में दो जीवों के मुंह का आपस में संपर्क होना चाहिए और उनके होंठ या मुखांगों में कुछ हलचल भी होनी चाहिए। इस परिभाषा ने कई जानवरों को भी 'चुंबन' करने वाले जीवों की सूची में शामिल कर दिया।

एक हजार अंडरवियर से मिट्टी की सेहत की जांच : मृदा विज्ञान का पुरस्कार उस प्रयोग को मिला, जिसमें 25 से अधिक देशों में एक हजार जोड़ी अंडरवियर मिट्टी में दबाई गईं। करीब दो महीने बाद इन्हें जमीन से बाहर निकालकर देखा गया कि कपड़ा कितना टूट चुका है। यह प्रयोग सुनने में जितना मजेदार लगता है, इसका मकसद उतना ही गंभीर था। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्मजीव कपड़े के प्राकृतिक रेशों को तोड़ते हैं। ऐसे में अंडरवियर कितनी तेजी से गलता है, उससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि मिट्टी में जैविक गतिविधि कितनी है। कपड़े के टूटने की गति पर इस बात का भी खास असर पड़ता है कि संबंधित भूमि का इस्तेमाल किस तरह किया जा रहा है। शौचालय में तरल के उछलने की वजह भी बनी शोध का विषय भौतिकी के पुरस्कार में वैज्ञानिकों ने यह समझने की कोशिश की कि शौचालय में तरल किसी सतह से टकराने के बाद वापस क्यों उछलता है। इसके लिए किए गए प्रयोगों के आधार पर ऐसी डिजाइन सुझाई गई, जिससे सामान्य स्थिति की तुलना में छींटों को लगभग 1.4 प्रतिशत तक कम किया जा सके। प्रौद्योगिकी का पुरस्कार उस प्रयोग को मिला, जिसमें मच्छर की सूंड को 3-डी प्रिंटिंग के लिए बेहद बारीक नोजल के रूप में इस्तेमाल करने की संभावना पर काम किया गया। मच्छर की सूंड की बेहद महीन और जटिल संरचना ने वैज्ञानिकों को तकनीक के एक नए इस्तेमाल के बारे में सोचने का आधार दिया। अर्थशास्त्र का पुरस्कार उस शोध को मिला, जिसमें संपन्न लोगों के व्यवहार का अध्ययन किया गया।

होर्मुज में फिर छिड़ेगी जंग: ईरान ने अमेरिकी विमानवाहक पोत पर मिसाइल हमले का किया दावा, यूएस ने क्या कहा

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच सैन्य तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने शनिवार को दावा किया कि उसने एक अमेरिकी विमानवाहक पोत और एक विध्वंसक पोत पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ईरान का आरोप है कि ये दोनों अमेरिकी युद्धपोत ईरानी जहाजों को परेशान कर रहे थे और ईरान के खिलाफ समुद्री नाकाबंदी में हिस्सा ले रहे थे। आईआरजीसी के मुताबिक, हमले के बाद दोनों युद्धपोतों को नुकसान हुआ और वे दोबारा हमले के डर से संघर्ष क्षेत्र से पीछे हट गए।

होर्मुज में तनाव की असली वजह क्या है : यह घटनाक्रम अमेरिकी और ईरानी जहाजों के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच सामने आया है। आईआरजीसी की नौसेना ने पहले दावा किया था कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य से कथित तौर पर अनधिकृत मार्ग से गुजर रहे तीन तेल टैंकरों और दूसरे इलाकों में अमेरिका से जुड़े तीन जहाजों को निशाना बनाया। ईरान ने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिका की ओर से तीन ईरानी तेल टैंकरों पर हमले के जवाब में की गई। ईरानी नौसेना ने अपने बयान में आसपास के जहाजों को चेतावनी दी कि वे कथित अनधिकृत जलमार्गों से गुजरने से बचें और किसी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में उन्हें निशाना बनाया जा सकता है।

ईरान ने अमेरिका को क्या सीधी चेतावनी दी : आईआरजीसी ने अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर ईरानी जहाजों के खिलाफ उसकी कथित आक्रामक कार्रवाई जारी रही तो उसे कड़ा जवाब मिलेगा। ईरान ने कहा कि उसके सशस्त्र बल आगे भी जवाबी कार्रवाई करेंगे। आईआरजीसी की ओर से यह भी कहा गया कि जहाजों को अमेरिकी सेना के बहकावे में नहीं आना चाहिए और होर्मुज जलडमरूमध्य में संदिग्ध या कथित अनधिकृत रास्तों से गुजरने से बचना चाहिए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी सेंटकॉम के अनुसार, पांच सितंबर को अमेरिकी बलों ने तीन ईरानी कच्चे तेल के टैंकरों पर हमला किया। यह कार्रवाई ईरान की ओर से क्षेत्रीय समुद्र में गश्त कर रहे दो अमेरिकी नौसैनिक जहाजों पर बैलिस्टिक मिसाइल हमलों के बाद की गई। सेंटकॉम ने कहा कि एक अमेरिकी विमानवाहक पोत और एक निर्देशित मिसाइल विध्वंसक ने ईरान के कई हमलों से सफलतापूर्वक बचाव किया और किसी अमेरिकी कर्मी को नुकसान नहीं पहुंचा।

ईरानी तेल टैंकर पर अमेरिकी हमला: धू-धू कर जलता रहा जहाज, सीईएनटीसीओएम ने जारी किया वीडियो; हेगसेथ ने दी खुली धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता दिख रहा है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान को चेतावनी दी है कि अगर अमेरिकी नौसेना के जहाजों पर हमला किया गया तो अमेरिका ईरान के तेल टैंकरों को नष्ट कर देगा और समुद्र में डुबो देगा। यह चेतावनी ऐसे समय आई है, जब अमेरिकी सेना ने तीन ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाने की जानकारी दी है और ईरान ने अमेरिकी युद्धपोतों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया है।

पीट हेगसेथ ने ईरान को क्या चेतावनी दी : हेगसेथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अमेरिकी सेंट्रल कमांड के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर के बयान को साझा करते हुए कहा कि अगर ईरान अमेरिकी जहाजों पर गोली चलाता है तो उसके तेल टैंकरों को नष्ट और डुबो दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान को सिर्फ अमेरिकी नौसेना पर हमला नहीं करना है। कूपर ने भी चेतावनी दी कि अगर ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दो अमेरिकी जहाजों पर हमला किया तो अमेरिकी सेना तीन ईरानी जहाजों को निशाना बनाएगी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर ईरान के सीमित और खुले तेल बेड़े को नष्ट करने से अमेरिका पीछे नहीं हटेगा।

अमेरिका ने ईरान के कितने तेल टैंकरों को निशाना बनाया : अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, शनिवार को अमेरिकी सेना ने तीन ईरानी कच्चे तेल ले जाने वाले टैंकरों पर हमला किया। इनमें एक टैंकर खार्ग द्वीप के पास था, जो ईरान का प्रमुख तेल निर्यात केंद्र है। अमेरिकी सेना ने बताया कि इनमें भी शामिल था, जो ओमान की खाड़ी में डूब गया। सेंट्रल कमांड ने इसे पूरी तरह नष्ट किए जाने की जानकारी दी। दो अन्य टैंकरों को भी अमेरिकी सेना ने निष्क्रिय करने की बात कही है।

अमेरिकी सेना ने टैंकर डुबोने का वीडियो क्यों जारी किया : अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने हमले का वीडियो जारी किया है। वीडियो में टैंकर आग की लपटों में घिरा दिखाई दे रहा है। अमेरिकी सेना के मुताबिक, चालक दल को पहले जहाज छोड़ने का निर्देश दिया गया था और इसके बाद जहाज को पूरी तरह निष्क्रिय कर दिया गया। अमेरिकी सैनिकों की कार्रवाई के बाद रूञ्जच4द्यश ओमान की खाड़ी में डूब गया। अमेरिका के अनुसार, यह कार्रवाई ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की ओर से अमेरिकी नौसेना के दो जहाजों की ओर बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने के बाद की गई।

ईरान ने अमेरिकी युद्धपोतों पर हमले को लेकर क्या दावा किया : ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि उसने एक अमेरिकी विमानवाहक पोत और एक गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक को बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाया। हालांकि, इन दावों की अमेरिका की ओर से तत्काल पुष्टि नहीं हुई। ईरानी सेना ने यह भी चेतावनी दी कि अगर ईरानी जहाजों के खिलाफ कार्रवाई और नौसैनिक नाकाबंदी जारी रही तो अमेरिकी सैन्य जहाजों के खिलाफ उसके हमले पहले से ज्यादा गंभीर हो सकते हैं ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने दावा किया कि खर्ग के पास एक टैंकर पर चार अमेरिकी मिसाइलें दागी गईं।

हैजा रोकने को मिला क्लोरीन: सूडान की सेना ने बना डाले 1,100 रासायनिक हथियार, गोपनीय डोजियर से खुलासा

खार्तूम, एजेंसी। तपते रेगिस्तान में चोरी-छिपे बम परीक्षण, हथियारों की सीक्रेट फैक्टरी के फर्श पर दम घुटने से मरे पड़े बिच्छू और कीड़े-मकोड़े, और जंग के बीच राजधानी खारतूम के वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से क्लोरीन के बड़े-बड़े सिलिंडरों की चोरी...गोपनीय डोजियर से सामने आई ऐसी कुछ जानकारियां सूडान सरकार के इन दावों को नकारने के लिए काफी है कि उसने गृह युद्ध के दौरान रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल नहीं किया।

खुफिया रिपोर्ट में हुआ खुलासा : सूडान में पिछले तीन साल से जारी खूनी गृहयुद्ध के बीच एक पश्चिम एशियाई खुफिया एजेंसी की ओर से जुटाए गए 150 से अधिक दस्तावेजों, वीडियो, तस्वीरों और हजारों इंटरसेप्टेड फोन कॉल्स से चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इससे पता चलता है कि सूडानी सेना ने अपने खिलाफ मोर्चा खोलने वाली रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) को पस्त करने के लिए 2024 में बड़े पैमाने पर क्लोरीन गैस आधारित रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल किया था। इस केमिकल प्रोजेक्ट की कमान ब्रिगेडियर जनरल तारिक हुसैन के हाथों में थी।

पारंपरिक वॉरहेड के साथ क्लोरीन का उपयोग : लीक ब्लूप्रिंट के अनुसार, पारंपरिक वॉरहेड के साथ 33 पाउंड क्लोरीन गैस का इस्तेमाल किया गया। योजना यह थी कि धमाके के छर्रों से दुश्मन घायल हो और बची-खुची जान जहरीली गैस ले लेगी। साथ ही धमाके के चलते मौके पर केमिकल के सबूत भी नष्ट हो जाएंगे।

राहत एजेंसियों की मदद का किया दुरुपयोग : राजधानी खारतूम पर जब आरएसएफ का कब्जा होने लगा, तो जुलाई 2024 में जनरल तारिक ने सेना को क्लोरीन बम बनाने का सुझाव दिया। सेना ने ओमडुरमैन स्थित अल-मनारा वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से बड़े पीले सिलिंडर जब्त किए। विडंबना यह है कि युद्धग्रस्त इलाकों में हैजा महामारी को रोकने और पानी साफ करने के लिए ये सिलिंडर यूनिसेफ, रेड क्रॉस और केयर जैसी अंतरराष्ट्रीय राहत एजेंसियों ने दान में दिए थे। अगस्त 2024 में जनरल हुसैन के भेजे एक संदेश से पता चलता है कि मिस्र से 20 क्लोरीन सिलिंडर मंगवाए गए थे, जो 1,100 रासायनिक बम बनाने के लिए पर्याप्त थे।

सेना प्रमुख ने दिए सबूत मिटाने के निर्देश : अमेरिकी प्रशासन ने कुछ सबूतों के आधार पर जनवरी 2025 से सूडानी सेना प्रमुख जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान पर कड़े प्रतिबंध लगाने शुरू किए थे। अब सामने आए डोजियर से साफ हुआ है कि जनरल बुरहान को इस पूरे प्रोजेक्ट की सीधी जानकारी थी और उन्होंने अमेरिकी खुलासे के बाद इसके सभी सबूत मिटाने के निर्देश दिए थे।

दुश्मनों ने पी ली जहरीली गैस...सच कैसे सामने आया : अक्तूबर 2024 तक मेरोवे एयरपोर्ट के बेस पर करीब 300 केमिकल बम तैयार करके रख दिए गए थे। 22 जुलाई 2024 को मेरोवे एयरपोर्ट से एंटोनोव विमान ने उड़ान भरी और रेगिस्तान में पहला सफल टेस्ट किया। लीक डोजियर से पता चलता है कि उसी समय जनरल हुसैन ने मैसेज भेजा था, परीक्षण 100% सफल रहा, बम निशाने पर गिरा और गैस फैल गई। सितंबर 2024 को अल-जैली तेल रिफाइनरी पर रासायनिक हमला किया गया। हुसैन के इंटरसेप्ट किए गए संदेश में लिखा था, उन्होंने गैस पी ली है। उस समय सोशल मीडिया पर विद्रोहियों को ऑक्सीजन मास्क पहने देखा गया था।

सबूत मिटाने का खेल : मई 2025 में जब अमेरिका ने रासायनिक हथियारों के संदेह पर सूडान पर प्रतिबंध लगाए, तो सेना प्रमुख जनरल बुरहान ने तुरंत जनरल हुसैन को मैसेज भेजकर सबूत मिटाने का फरमान सुनाया। जवाब मिला. ऑपरेशन एक महीने पहले ही पूरा कर दिया गया है। बाद में दुनिया की आंखों में धूल झोंकने के लिए बुरहान ने आरोपों की जांच के लिए एक आंतरिक कमेटी गठित की। इसका मुख्य सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल तारिक हुसैन को ही बना दिया गया।

फुहारों के बीच खिली-खिली

दिखें आप

चुभती-झुलसा देने वाली गर्मी के दिन खत्म। अब आया मस्त मानसून का मौसम। जितनी बेसब्री से हमें फहारों के आने का इंतजार रहता है, उतनी ही दिक्कतें भी सामने आती हैं। कभी चेहरे का मेकअप पैची होने लगता है तो कभी बाल चिपचिपे हो जाते हैं। कभी कपड़े बदन से चिपक कर एक समस्या बन जाते हैं। समस्या होती है तो उसका समाधान भी होता है। बारिश के मौसम में आने वाली समस्याओं का निदान आइए जानते हैं

मानसून में महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना काफी कठिन हो जाता है। बारिश में जाने के लिए जी तो मचलता है, लेकिन कभी मेकअप बिगड़ जाने का डर, कभी बाल बिगड़ जाने का डर और कभी त्वचा की सुरक्षा उन्हें बाहर निकलने से रोकती है, पर बारिश में घर भी तो नहीं बैठा जा सकता। थोड़ी सी सावधानियों से आप बारिश का मजा भी ले सकती हैं और सजने-संवरने के अपने शौक को भी पूरा कर सकती हैं।

- इस मौसम में सिबेशियस व स्वेट ग्लैंड ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं, जिससे त्वचा चिपचिपी व ज्यादा पसीने व डैंड्रफ से युक्त हो जाती है। इसलिए प्रतिदिन माइल्ड शैंपू से बाल धोएं। हर धुलाई के बाद अच्छी क्वालिटी के कंडीशनर का प्रयोग करें। बाल झड़ेंगे नहीं। बाल उलझे, रूखे व बेजान नहीं होंगे।
- इस मौसम में बारिश में भीगे गीले बालों में अक्सर जुएं पड़ जाती हैं। बारिश में भीगे गीले बालों को भी शैंपू अवश्य करें। सिर में खुजलाहट होने पर नाखून से कुरेदें नहीं। त्वचा पर इन्फेक्शन होने का खतरा रहता है। कई बार दो-तीन दिन बाल न धोने पर बारिश में भीगे होने के कारण सिर में छोटे-छोटे दाने भी हो जाते हैं।
- यदि किसी वजह से सिर न धो रहे हों तो सूखे सिर में कोई भी टेलकम पाउडर डाल कर कंघी कर लें। डस्ट निकल जाएगी, पसीना नहीं आएगा। बारिश के मौसम में 1-2 घंटों के लिए सिर पर दही लगाएं। इसके अलावा मूंग की दाल को दरदरा पीस कर सिर में लगाएं, अच्छी कंडीशनिंग हो जाएगी। बालों में अच्छी शाइन आ जाएगी।
- एलोवेरा का जूस निकाल कर इसका पल्प भी कुछ देर सिर में एक-डेढ़ घंटा लगा कर फिर शैंपू कर लें। जर्म्स, दाने व डैंड्रफ खत्म हो जाएगी। यदि इन्फेक्शन ज्यादा हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। बाल धोने के बाद तौलिए से अच्छी तरह सुखा कर चौड़े दांत की कंघी से बाल सुलझाएं। बारिश में भीगने के बाद बाल हमेशा खुले रखें।
- इस मौसम में यदि सिर में तेल लगाएं तो दो-तीन घंटे बाद ही सिर धो लें। ज्यादा देर तेल लगा रहेगा तो वह फेस पर आ जाएगा। बारिश के मौसम में हेयर जेल, मूस, हेयर स्प्रे का इस्तेमाल न करें। उमस के कारण सिर में पसीना अधिक आता है, इसलिए बालों में स्टाइल बनाने से पहले ह्यूमिडिटी प्रोटेक्टिव जेल लगाएं।
- इस मौसम में स्ट्रेट बालों को कर्ल करने व कर्ल बालों को स्ट्रेट करने से बचें। कर्ल बालों में स्टाइलिंग क्रीम या जेल लगा कर सेट कर लें व स्ट्रेट बालों की ढीली पोनीटेल बना लें। ध्यान रखें कि क्रीम व जेल एल्कोहल बेस्ड हो, जो बालों को चिपचिपा होने से बचाए।
- इस मौसम में वातावरण में ही नमी होने के कारण ब्लो ड्राई, रोलर सैटिंग आदि टिक नहीं पाते, इसलिए इनसे बचना चाहिए। ऐसे में लोअर बन व पोनीटेल अच्छी रहेंगी। गर्दन तक का कट इस मौसम में हमेशा चींटियां काटने का एहसास कराता है, ऐसा कट न रखें। इस मौसम के लिए विशेषतौर से मेंटेनेंस फ्री कट होना चाहिए। फ्रंट में फ्रींजिस दे सकते हैं।

मेकअप टिप्स

- सावन की बरसती बूंदें मन को अवश्य खुशी देती हैं, पर ये बूंदें ही चिपचिपे, उलझे बाल, तैलीय त्वचा व तन के श्रृंगार को तहस-नहस कर देती हैं। घर से बाहर जाने से बीस-पच्चीस मिनट पहले सनस्क्रीन लोशन लगा लें।
- इस मौसम में जरूरत से ज्यादा मेकअप बेस लगाने से बचें। अगर लगाएं तो सिलिकोन बेस या वॉटर प्रूफ फाउंडेशन की पतली परत लगाएं। पानी की बूंदें पड़ते ही पानी व पसीना बहकर निकल जाएगा। मेकअप वैसे का वैसा रहेगा। पाउडर बेस पर बूंदें पड़ते ही मेकअप पैची हो जाएगा।
- बारिश के मौसम में मेकअप हल्का ही करें। मेकअप बेस अपनी त्वचा से एक टोन गहरा लें। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि हेयर लाइन के पास पसीना ज्यादा आता है, इसलिए इस हिस्से पर फाउंडेशन कम से कम लगाएं।
- बारिश में आंखों का मेकअप ज्यादा खराब हो जाता है। इस मौसम के लिए काजल, आई लाइनर, मस्कारा आदि वॉटर प्रूफ ही लें। इस मौसम में विशेषतौर से ट्रांसपेरेंट मस्कारा व कलर्ड काजल पेंसिल का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- आई शैडो व ब्लश ऑन लगाना हो तो कभी भी पाउडर बेस न लगा कर मौसम को ध्यान में रखकर क्रीम बेस्ड ही लगाएं। इसके लिए लिपस्टिक को भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है। पर ध्यान दें त्वचा पर अच्छी तरह फैल जाए।
- बारिश के मौसम में लिपग्लॉस का प्रयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिए, यह हर फुहार की बूंद के साथ होठों के इर्द-गिर्द फैलता है। लिपस्टिक भी गॉढ़ी न लगाकर हल्की ही लगाएं। पूरा मेकअप हो जाने के बाद मेकअप फिक्सिंग स्प्रे लगा लें। इससे मेकअप सेट हो जाता है। बिंदी स्टिक ऑन ही इस्तेमाल करें।

स्किन केयर टिप्स

- इस मौसम में चिपचिपी त्वचा से छुटकारा पाने के लिए चंदन पाउडर में गुलाब जल मिला कर चेहरे, गर्दन व बांहों पर लगाएं। थोड़े से जीरा पाउडर में नारियल का तेल मिला कर इसे गर्दन व आसपास के हिस्सों पर लगाएं।
- चिकनी त्वचा वाले लोग शहद व नींबू का रस बराबर भाग में मिला कर लगा सकते हैं। यदि आप चाहें तो इसमें अंडे की सफेदी भी मिला लें। एक घंटा त्वचा पर लगा रहने दें फिर ठंडे पानी से धो दें। इसके अलावा कच्चे दूध में बेसन मिला कर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।
- शुष्क त्वचा वाले लोग एक बड़ा चम्मच दूध की क्रीम में गुलाब जामुन मिला कर लगाएं व पंद्रह मिनट बाद त्वचा धो लें। त्वचा को साफ करने के लिए पपीते के छोटे टुकड़े करें, इनसे त्वचा को साफ करें। पपीते का रस व गूदा पांच-सात मिनट तक त्वचा पर लगा रहने दें, फिर त्वचा धो लें।
- इस मौसम में रात को त्वचा की टोनिंग करना चाहिए। इसके लिए एक छोटा चम्मच दूध में पांच बूंदें चमेली के तेल की मिलाएं। इस तैयार मिश्रण को चेहरे व गर्दन पर लगाएं। बारिश के मौसम में भी सनस्क्रीन लोशन लगाना बंद नहीं करना चाहिए।
- इन दिनों फंगस इन्फेक्शन सबसे ज्यादा हो जाता है। गीले कपड़े व गीले जूते देर तक न पहने रहें। एंटी फंगस साबुन से त्वचा को साफ करें। शरीर के जोड़ों, पांवों की उंगलियों आदि में साधारण या एंटी फंगस पाउडर का इस्तेमाल करते रहें।
- बारिश के मौसम में बेजान हो जाने वाली त्वचा में नई जान डालने के लिए शहद व दही बराबर मात्र में मिला कर अच्छी तरह से चेहरे व गर्दन पर लगाएं। पंद्रह मिनट बाद त्वचा धो लें।

विंड चाइम से बढ़े
घर की रौनक

विंड चाइम, इसे पवन घंटियां भी कहा जाता है। इसके प्रयोग से सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। विंड चाइम धातु, लकड़ी, बांस या सिरेमिक पाइप से बनी होती है। ये पाइप अंदर से बांसुरी की तरह खाली होते हैं। इन पाइपों को रेशमी धागों से बांधा जाता है। लकड़ी और बांस से बनी विंड चाइम पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व दिशा में लगानी चाहिए। इससे घर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ने के साथ-साथ नाम व यश भी बढ़ता है। छह रॉड वाली गोल्डन व येलो कलर की विंड चाइम उत्तर-पश्चिम दिशा में लगाने से यश एवं समृद्धि में वृद्धि होती है। नौकरी एवं व्यवसाय में तरक्की के अवसर मिलते हैं।
सात रॉड वाली सिल्वर व सफेद
रंग वाली विंड चाइम घर में पश्चिम दिशा में लगाने से परिवार के सदस्यों तथा ऑफिस में लगाने से सहकर्मियों और नौकरों से संबंध अच्छे बने रहते हैं।
जिन लोगों की जन्मतिथि में धातु तत्व की कमी हो, उन्हें मेटल की विंड चाइम और पृथ्वी तत्व की कमी होने पर सिरेमिक विंड चाइम का प्रयोग करना चाहिए। एल्यूमिनियम, लोहे व पीतल के पाइप वाली विंड चाइम का प्रयोग हानिकारक होता है। इन पर पाउडर कोटिंग की जाती है, लेकिन इनकी आवाज कर्कश होती है।

क्रिस्टल बॉल

यह घर में नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव को समाप्त कर सकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि करती है। घर में किसी भी प्रकार का वास्तु दोष होने पर पूर्व दिशा में 9 क्रिस्टल बॉल्स का गुच्छा लगाने से काफी हद तक वास्तु दोष से मुक्ति पाई जा सकती है। घर की पश्चिम दिशा में क्रिस्टल बॉल इस प्रकार लगाएं कि सूर्य की किरणें उस पर पड़ें। इससे घर के बुजुर्गों और महिलाओं में दिनभर ऊर्जा बनी रहती है। घर के निराशाजनक वातावरण को दूर कर सुख-शांति और धन की वृद्धि करने में भी यह सहायक है। घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में डायमंड कट वाली क्रिस्टल बॉल, जहां पिता-पुत्र संबंधों में मधुरता लाती है, वहीं जीवन में प्रेम का संचार भी करती है।

सिक्के और घंटियां

फेंगशुई सिक्के ऊपर से गोल और अंदर से वर्गाकार छेद लिए होते हैं। घर में सौभाग्य और समृद्धि लाने के लिए इन सिक्कों का प्रयोग किया जाता है। इसके लिए तीन फेंगशुई सिक्कों को लाल रंग के रिबन या रेशमी धागे से एक साथ बांधकर पर्स या दुकान के गल्ले में रखा जाता है। इसके अलावा इन सिक्कों को केवल मुख्य द्वार पर अंदर की तरफ और तिजोरी के दरवाजे पर भी बांधा जा सकता है। इन सिक्कों के साथ-साथ छोटी घंटियों को भी बांधा जा सकता है। लाल रिबन से बंधी ये घंटियां सौभाग्य का प्रतीक होती हैं। इन घंटियों से किसी प्रकार की ध्वनि नहीं होती। पुरानी हो जाने पर इन घंटियों को बदल देना चाहिए।

कच्चे केले के पकौड़े

सामग्री
6 कच्चे केले, 200 ग्राम बेसन, आधा चम्मच गरम मसाला, नमक स्वादानुसार, एक चौथाई चम्मच हल्दी, एक कद्दूकस किया प्याज, 3-4 बारीक कटी हरी मिर्च, तलने के तेल

बनाने की विधि
केलों को उबालकर छीलें व हाथ से अच्छी तरह मेश कर लें। बेसन को सूखा ही भून लें। भुने बेसन में मेश किया केला, कटी सामग्री व मसाले खूब अच्छी तरह मिक्स कर लें। आवश्यकता हो तो इसमें थोड़ा-सा दूध मिला लें। अब एक कड़ाई में तेल गर्म कर लें। कम आंच पर उलट-पलट कर गुलाबी होने तक तलें। केले के इन पकौड़ों को गरमा-गरम चाय के साथ पेश करिए या किसी खट्टी-मीठी चटनी के साथ इसका स्वाद दुगुना हो जाएगा।

क्रिस्पी बैंगन पकौड़े

सामग्री
एक भुर्ते वाला बड़ा बैंगन, 4-5 खड़ी लाल मिर्च
2-3 कली लहसुन, 1 कप बेसन
आधा कप चावल का आटा, नमक स्वादानुसार
1 चम्मच नींबू का रस, एक चौथाई चम्मच हल्दीएक
चौथाई चम्मच अजवाइन, 1 चुटकी हींग
तलने के लिए तेल।

बनाने की विधि
बैंगन को धोकर पतली गोल-गोल स्लाइस काट लें। लाल मिर्च, लहसुन, नमक, नींबू रस एवं थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। बेसन में चावल का आटा, हींग, नमक, अजवाइन एवं थोड़ा पानी मिलाकर पकौड़े का घोल तैयार करें। एक कड़ाही में तेल गर्म करें। बैंगन की एक स्लाइस लेकर इस पर लाल मिर्च का पेस्ट चुपड़े। ऊपर से दूसरी स्लाइस रखें। इसे बेसन के घोल में डुबोकर गर्म तेल में सुनहरा भूरा होने तक तलें। गर्मागर्म क्रिस्पी बैंगन पकौड़ों को सॉस और हरी चटनी के साथ परोसें। इसका स्वाद लाजवाब लगेगा।

भुट्टा-पालक पकौड़ी

सामग्री
5 भुट्टे नरम दाने वाले,100 ग्राम पालक कटा हुआ, 4-5 हरी मिर्च, एक टुकड़ा अदरक, 4-5 लहसुन की कली , आधा चम्मच जीरा, हरा धनिया बारीक कटा हुआ, एक बड़ा चम्मच बेसन , नमक स्वादानुसार , आधा चम्मच लाल मिर्च , एवं तलने के लिए तेल

बनाने की विधि
सबसे पहले भुट्टों को साफ करके कद्दूकस करें। भुट्टे, पालक, हरी मिर्च, अदरक एवं लहसुन को थोड़ा मोटा ही पीस लें। अब सभी मसालों को बेसन में मिलाकर अच्छी तरह से खोल लें। पीसे हुए भुट्टे व पालक को बेसन में लपेटकर तेल में तलें। तलने के बाद इसे चटनी के साथ सर्व करें।

नरम बूंदों के साथ गरम पकौड़ी

मौसम बारिश का हो और पकौड़ी का स्वाद न लिया जाए, यह कैसे हो सकता है। इस मौसम में सबका मन गरमा-गरम पकौड़ी खाने को करता है। तो आइए जानते हैं कैसे बनाएं पकौड़ी।

पालक रोल पकौड़ी

सामग्री
पालक के 15 पत्ते , 200 ग्राम बेसन, 2 चम्मच चावल का आटा, 2 आलू उबले व मैश किए हुए, एक चम्मच धनिया, चौथाई चम्मच हल्दी, दो-तीन हरी मिर्च बारीक कटी, एक चम्मच लाल मिर्च, एक चम्मच अदरक बारीक कटा हुआ , हरा धनिया कटा हुआ, तलने के लिए तेल, नमक स्वादानुसार,

बनाने की विधि
मैश हुए आलू में सभी मसाले मिलाएं। हर पत्ते को अच्छी तरह पोंछकर उन पर थोड़ा सा आलू का मिक्सचर रखें और रोल कर लें। बेसन का गाढ़ा घोल बनाकर उसमें चावल का आटा मिला दें। हर रोल को उसमें डुबोकर फ्राई करें।

मशरूम के पकौड़े

सामग्री
200 ग्राम मशरूम, 200 ग्राम बेसन, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादानुसार कटा हुआ मिर्च- तीन, तलने के तेल

बनाने की विधि
मशरूम को साफ करके धो लें। इनको कुछ देर स्टीम देकर मुलायम कर लें। बेसन में नमक-मिर्च व पानी डालकर पकौड़ों के हिसाब से घोल तैयार कर लें। इसी में हरा धनिया भी डाल दें। मशरूम को आधे-आधे काटकर बेसन लपेटकर गर्म तेल में तलें। आपके लिए गर्मागर्म मशरूम के पकौड़े तैयार हो गए।

रिंकू की टीम ने भुवी की लखनऊ को 94 रनों से हराया

नई दिल्ली। रिंकू सिंह की अगुआई वाली मेरठ मेवरिक्स ने रविवार (6 सितंबर) को भुवनेश्वर कुमार की अगुआई वाली लखनऊ फॉल्कंस को 94 रनों से हराकर यूपी टी20 लीग 2026 का खिताब जीता। मेरठ ने दूसरी बार खिताब जीता। इससे पहले 2024 में माधव कौशिक की कप्तानी में मेरठ ने पहले सत्र का खिताब जीता था। 2025 में भी टीम फाइनल खेली थी।

मेरठ मेवरिक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दिव्यांश जोशी की शतक की मदद से 20 ओवर में 7 विकेट पर 203 रन बनाए। इसके जवाब में लखनऊ फॉल्कंस की टीम 16 ओवर में 109 रन पर आउट हो गई। मेरठ के लिए विशाल चौधरी ने 4 विकेट झटके। इस तरह मेरठ ने लखनऊ की टीम से क्वालिफायर-1 में हार का बदला भी ले लिया।

अभिनंदन सिंह ने 40 रन देकर तीन विकेट लिए- स्वास्तिक चिकारा ने 14 गेंदों पर 18 रन बनाए, जबकि ऋतुराज शर्मा ने 17 गेंदों पर 24 रन बनाए। अक्षय दुबे ने 10 गेंदों पर 15 रन बनाए, जिसमें दो छक्के शामिल थे। यश गर्ग 21 गेंदों पर 16 रन बनाकर नॉट आउट रहे। लखनऊ फाल्कंस के लिए अभिनंदन सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने चार ओवर में 40 रन देकर तीन विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार, विप्रज निगम और अजीत वर्मा ने एक-एक विकेट लिया।

दिव्यांश जोशी ने 40 गेंद पर ठोके 105 रन

मेरठ मेवरिक्स के लिए दिव्यांश जोशी ने सिर्फ 40 गेंदों पर 12 चौकों और 7 छक्कों की मदद से जबरदस्त 105 रनों की पारी खेली। उनकी जबरदस्त पारी 262.5 के शानदार स्ट्राइक रेट से आई, जिसने मेवरिक्स को 200 के स्कोर के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। मेरठ ने पूरी पारी में 10.2 रन प्रति ओवर के रनरेट से रन बनाए रखा। इससे लखनऊ फाल्कंस के सामने मुश्किल लक्ष्य रखा।

भारत को 2021 में हराने के बाद शुरू हुई बर्बादी

पाकिस्तानी टीम की बदहाली पर बोले मोहम्मद यूसुफ

नई दिल्ली। मोहम्मद यूसुफ ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की बदहाली का कारण 2021 टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मिली जीत को बताया। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि पांच साल पहले भारत के खिलाफ मिली 10 विकेट की जीत का पाकिस्तान टीम पर बुरा असर पड़ा। खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। हर कोई पाकिस्तान का कप्तान बनने के बारे में सोचने लगा। मोहम्मद यूसुफ ने समा टीवी पर कहा, '2021 में भारत के खिलाफ जो मैच हमने जीता, उससे हमें बहुत नुकसान हुआ। क्योंकि उस जीत के बाद खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें आगे क्या करना है। जब आप अच्छा परफॉर्म कर रहे हों, तो आपको विनम्र रहना चाहिए।

टी20 में अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड?

2024 में दो सुपर ओवर से निकला था नतीजा

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस सीरीज में टीम इंडिया का पलड़ा भारी माना जा रहा है, लेकिन अफगानिस्तान का रिकॉर्ड भी पिछले कुछ समय में इस फॉर्मेट में कमाल का रहा है। हालांकि, टी20 इंटरनेशनल में भारत का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के खिलाफ अब तक कमाल का रहा है। दोनों देशों के बीच अब तक कुल 9 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से 8 मैचों में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है। वहीं, एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। यानी अफगानिस्तान को क्रिकेट के सबसे

छोटे फॉर्मेट में भारत के खिलाफ अब तक जीत नसीब नहीं हो सकी है। साल 2024 में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला गया टी20 इंटरनेशनल मुकाबला टाई जरूर रहा था। इस मैच का नतीजा दो सुपर ओवर खेले जाने के बाद निकला था, जहां टीम इंडिया आखिर में बाजी मारने में सफल रही थी। टी20 में भारत और अफगानिस्तान की आखिरी भिड़ंत विश्व कप 2024 में हुई थी, जहां भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 47 रनों से जीत दर्ज की थी। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में इन भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेंगी निगाहें

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम इस सीरीज में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। आइए आपको उन भारतीय खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिनके प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी।

वैभव सूर्यवंशी: इंग्लैंड और फिर जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रहे वैभव को अफगानिस्तान के खिलाफ भी मौका दिया गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज के प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी। वैभव अफगानिस्तान के स्पिनर्स के खिलाफ किस अप्रोच से खेलते हैं यह देखना दिलचस्प होगा। जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी टी20 में वैभव ने 81 रनों की दमदार पारी खेली थी। वह दलीप ट्रॉफी में भी अच्छी फॉर्म में नजर आए हैं।

जसप्रीत बुमराह: अफगानिस्तान के खिलाफ ब्रेक के बाद टीम में वापसी कर रहे जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन पर हर किसी की नजरें रहेंगी। बुमराह ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। बुमराह अगर अपनी लय में नजर आए, तो वो अफगानिस्तान के बल्लेबाजों के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकते हैं।

संजू सैमसन: इंग्लैंड के खिलाफ फ्लॉप शो के बाद संजू सैमसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में टीम में जगह नहीं दी गई है। ऐसे में संजू के ऊपर इस सीरीज में खुद को फिर से साबित करने का दबाव होगा। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में सैमसन सिर्फ 5 रन ही बना सके थे। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ वह दो मुकाबलों में 28 रन ही बना सके थे।

रवि बिश्नोई: जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज में रवि बिश्नोई का प्रदर्शन दमदार रहा था। विकेट चटकाने के साथ-साथ बिश्नोई काफी किफायती भी रहे थे। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर बिश्नोई के प्रदर्शन पर हर किसी की निगाहें होंगी। बिश्नोई इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन करके भारत की टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे।

नीतीश कुमार रेड्डी: अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में नीतीश कुमार रेड्डी के पास खुद को बतौर ऑलराउंडर साबित करने का बढ़िया मौका होगा। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि नीतीश इंजरी से लौटने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं।

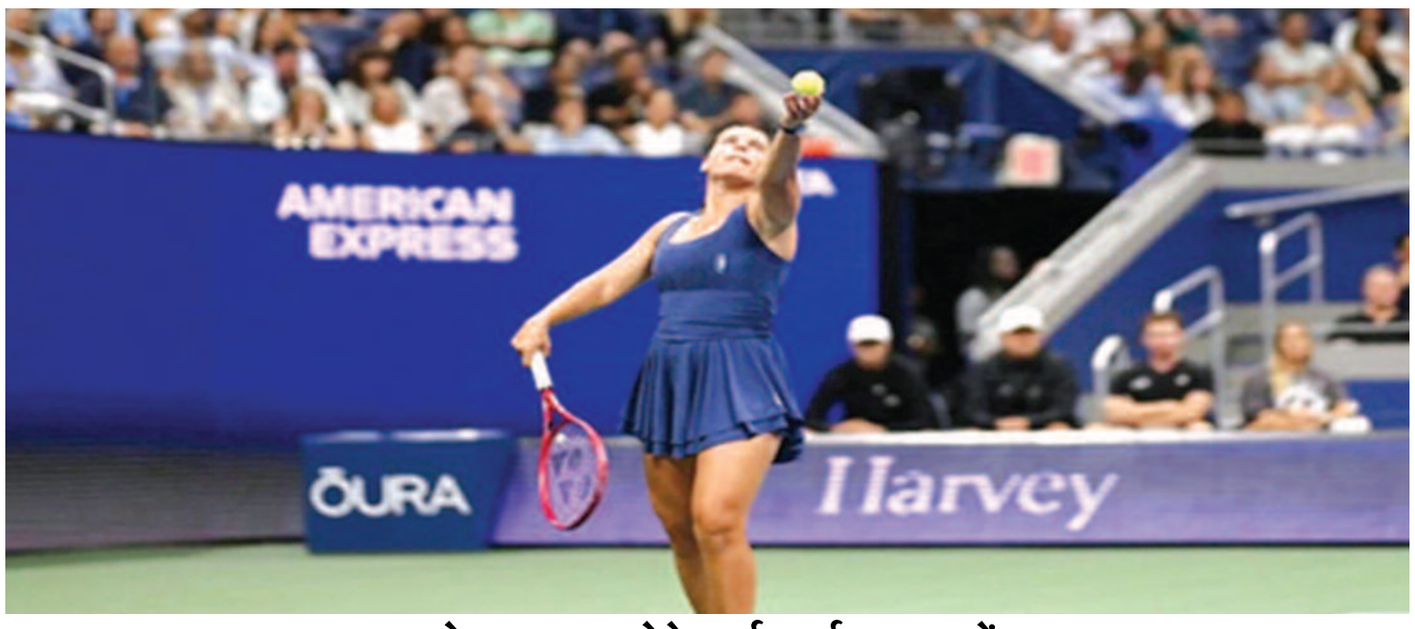

यूएस ओपनः एम्स नवारो ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

कलिनस्काया को सीधे सेटों में दी मात

न्यूयॉर्क । अमेरिका की एम्मा नवारो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए चौथे दौर के मुकाबले में एना कलिनस्काया को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। नवारो ने मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा और कलिनस्काया को वापसी का ज्यादा मौका नहीं दिया। पहले सेट को 6-4 से जीतने के बाद उन्होंने दूसरे सेट में और आक्रामक खेल दिखाया और 6-2 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। 25वीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह उनके करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। अब वह फ्लशिंग मीडोज में 2024 वाले अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करेंगी, जब वह पहली बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। नवारो ने पहला सेट जीतने के बाद पूरे आत्मविश्वास के साथ खेल दिखाया। दूसरे सेट में उन्होंने 5-1 की बड़ी बढ़त बनाई। एना कलिनस्काया ने एक बार सर्विस ब्रेक लेकर वापसी की कोशिश की, लेकिन वह मैच का रुख नहीं बदल सकीं। इसके बाद नवारो ने आठवें गेम में फिर से कलिनस्काया की सर्विस तोड़ी और सिर्फ 1 घंटा 21 मिनट में 6-4, 6-2 से मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया। खास बात यह रही कि कलिनस्काया इससे पहले नवारो के खिलाफ दोनों मुकाबले जीत चुकी थीं, लेकिन इस बार अमेरिकी खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हिसाब बराबर कर दिया। यह नवारो के करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। इससे पहले वह विंबलडन 2024, यूएस ओपन 2024 और ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुकी हैं।

इस जीत के बाद एम्मा नवारो का अगला मुकाबला उनकी हमवतन खिलाड़ी और तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला से होगा। पेगुला का रिकॉर्ड नवारो के खिलाफ काफी मजबूत रहा है। दोनों के बीच अब तक चार मैच हुए हैं और पेगुला ने सभी में जीत हासिल की है। दोनों की सबसे हालिया भिड़ंत पिछले महीने सिनसिनाटी टूर्नामेंट में हुई थी, जहां पेगुला ने नवारो को 7-5, 6-2 से हराया था। ऐसे में

सितसिपास को हराकर शेल्टन ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

न्यूयॉर्क । अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन शानदार फॉर्म में हैं और उनका यूएस ओपन अभियान सही समय पर रफ्तार पकड़ चुका है। आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन ने चौथे दौर के मुकाबले में ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को सीधे सेटों में 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। शेल्टन ने पूरे मैच में आक्रामक खेल दिखाया और सितसिपास को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी और तीनों सेट आसानी से जीते। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन का सामना मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज से होगा।बेन शेल्टन के लिए यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल तक का सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा। टूर्नामेंट के शुरुआती तीन मैचों में उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। टैलन ग्रीकस्पूर, ह्यूबर्ट हरकाज और डेनिस शापोवालोव के खिलाफ उन्हें जीत के लिए चार-चार सेट खेलने पड़े। हालांकि, चौथे दौर में शेल्टन ने अपना सबसे बेहतरीन खेल दिखाया। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने स्टेफानोस सिटसिपास को कोई मौका नहीं दिया और पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। शेल्टन ने सिर्फ 1 घंटा 51 मिनट में जीत हासिल की। बेन शेल्टन ने यूएस ओपन में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह अपने करियर में छठी बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। वहीं, यूएस ओपन में यह दूसरी बार है जब उन्होंने अंतिम आठ में जगह बनाई है। शेल्टन ने 2023 में भी यूएस ओपन में शानदार प्रदर्शन किया था। उस समय वह टूर्नामेंट में सिर्फ दूसरी बार खेल रहे थे, लेकिन सेमीफाइनल तक पहुंचने में सफल रहे थे। हाल के महीनों में भी शेल्टन का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। विंबलडन के बाद शुरू हुए नॉर्थ अमेरिकन हार्ड-कोर्ट सीजन में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 12-2 का रहा है, जो उनकी शानदार फॉर्म को दिखाता है। इसी दौरान उन्होंने मॉन्ट्रियल में अपना दूसरा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब भी जीता। इसके अलावा, शेल्टन लगातार मजबूत खिलाड़ियों को हराते हुए आगे बढ़ रहे हैं। स्टेफानोस सितसिपास को हराने से पहले भी उन्होंने ऐसे खिलाड़ियों को मात दी, जो कभी एटीपी रैंकिंग के टॉप-10 में रह चुके हैं। स्टेफानोस सिटसिपास भी इस मुकाबले में अच्छे आत्मविश्वास के साथ उतरे थे। उन्होंने यूएस ओपन में मजबूत खिलाड़ियों को हराकर चौथे दौर तक का सफर तय किया था।

दलीप ट्रॉफी

ईशान किशन ने रचा इतिहास

250 रनों की यादगार पारी खेलकर लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

चेन्नई । दलीप ट्रॉफी 2026 का फाइनल मुकाबला ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। खिताबी मुकाबले के दूसरे दिन ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 250 रनों की यादगार पारी खेलकर इतिहास रच दिया है। ईशान ने अपना दोहरा शतक 270 गेंदों में पूरा किया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने रिटायर्ड हर्ट होकर ड्रेसिंग रूम लौटने से पहले 301 गेंदों

का सामना करते हुए 250 रनों की लाजवाब पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान ईस्ट जोन के कप्तान ने 27 चौके लगाए, जबकि 7 छक्के उनके बल्ले से निकले। ईशान अरुण लाल और सबा करीम के बाद ईस्ट जोन की तरफ से दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने। हालांकि, ईशान दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में शतक लगाने वाले ईस्ट जोन के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। ईशान से पहले खिताबी मुकाबले में ईस्ट जोन के लिए सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड ऋद्धिमान साहा के नाम दर्ज था, जिन्होंने 2012 के फाइनल में 170 रन बनाए थे। ईशान ओवरऑल दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में 200 या उससे ज्यादा रनों की पारी खेलने वाले सातवें बल्लेबाज बन हैं।

इसके साथ ही बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज वह दलीप ट्रॉफी के फाइनल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बने हैं।

मोहम्मद शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद मत करो

पूर्व भारतीय बॉलिंग कोच ने सेलेक्टर्स और हेड कोच से लगाई गुहार

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व बॉलिंग कोच भरत अरुण ने चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर से मोहम्मद शमी के लिए भारतीय टीम के दरवाजे खुले रखने की अपील की है। अरुण का कहना है कि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद सेलेक्टर्स ने इस अनुभवी तेज गेंदबाज को बहुत जल्दी नजरअंदाज कर दिया। शमी ने में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 फाइनल के बाद से टीम इंडिया के लिए कोई मैच नहीं खेला है। जहां प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और गुरनूर बरार जैसे युवा तेज गेंदबाज सभी प्रारूप में जगह बनाने के लिए होड़ में हैं वहीं शमी घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट में लगातार प्रभावित कर रहे हैं और अभी अपना 100वां फर्स्ट-क्लास मैच खेल रहे हैं।

शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद नहीं करनी चाहिए

भरत अरुण ने नेशनल टीम में मोहम्मद शमी की वापसी का समर्थन किया है। 'द इंडियन एक्सप्रेस' से बात करते हुए अरुण ने कहा कि जब तक शमी अच्छा प्रदर्शन करते रहते हैं तब तक उम्र उनके सिलेक्शन में रुकावट नहीं बननी चाहिए। अरुण ने कहा कि उन्हें शमी के लिए दरवाजे बंद नहीं करने चाहिए थे।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने जीता चीन मास्टर्स खिताब

नई दिल्ली। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 का खिताब अपने नाम कर लिया।

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने रविवार (6 सितंबर) को शानदार वापसी करते हुए तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 का खिताब अपने नाम कर लिया। वर्ष 2023 और 2025 के चरणों में उपविजेता रहे सात्विक और चिराग की जोड़ी यहां अपना तीसरा फाइनल खेल रही थी। इस भारतीय जोड़ी ने एक घंटे 10 मिनट तक चले मुकाबले में हे और रेन की दुनिया की पूर्व चौथे नंबर की जोड़ी को 11-21, 21-13, 21-17 से शिकस्त दी। सात्विक ने क्या कहा करियर की 10वीं बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर जीत दर्ज करने के बाद सात्विक ने कहा, 'यहां खेलना हमेशा अच्छा रहा है।

आज हमारी रणनीति काम कर गई

सात्विक ने कहा, 'इस बार भी हम चोट से वापसी के बाद यहां आए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह टूर्नामेंट हमारे लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहा है। मुझे लगता है कि इस पूरे सप्ताह की कहानी भी कुछ ऐसी ही रही। पहले दौर को छोड़ दें तो हमने लगभग हर मुकाबला तीन गेम में खेला है। हम यहां आने से पहले ही अपनी रणनीति तैयार करके आए थे। हम उसे लागू करना चाहते थे। अगर वह काम करता तो बहुत अच्छा और अगर नहीं करता तो हम वापस जाकर फिर से उस पर काम करते। मुझे लगता है कि आज हमारी रणनीति काम कर गई। हमने आखिरकार उस सिलसिले को तोड़ दिया और 2026 में अपना दूसरा खिताब जीता। इस जीत से बहुत खुश हूं।'